राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 29 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–278 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीएमसी के 11 दिग्गजों पर जांच, किसी को जेल तो किसी को बेल; कैसे एकला चलो को मजबूर ममता बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की चीफ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी नेता एक-एक करके जांच के दायरे में घिरते जा रहे हैं। ऐसे हालात में दीदी एकला चलो रे का मंत्र अलापती नजर आ रही हैं। बीते गुरुवार को उन्होंने अपने सहयोगियों के आवास पर छापे के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। इसके कुछ घंटों बाद ही उनके एक और भरोसेमंद ज्योतिप्रिया मल्लिक उर्फ बालू को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। 2015 से ही ममता अपने आसपास के मजबूत पिलर्स को एक के बाद एक टूटते हुए देख रही हैं। पिछले 8 साल में उनकी करीबी मंडली के 11 भरोसेमंद लीडर जांच के दायरे में हैं। इनमें कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और संगठनात्मक दिग्गज शामिल हैं, जिन्हें सीबीआई और ईडी की ओर से विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों में गिरफ्तार किया गया है। सांसद सुदीप बनर्जी, पूर्व मंत्री मदन मित्रा और मंत्री-महापौर फिरहाद हकीम जमानत पर बाहर हैं। मगर, ये भी एक तरह से टूटे हुए हैं। ममता के सबसे पुराने सहयोगी और गुरु सुब्रत मुखर्जी और पूर्व सांसद सुल्तान अहमद जैसे अन्य लोगों की जांच प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। दीदी इनकी मौत का ठीकरा केंद्रीय एजेंसी और जांच पर फोड़ती रही हैं। अनुब्रत मंडल और ज्योतिप्रिया मल्लिक जैसे नेता टीएमसी के लिए बहुत अहम माने जाते रहे। ये अलग-अलग इलाकों का प्रबंधन, कैडर जुटाने और पार्टी के लिए फंड की देखभाल करने जैसे काम संभालते थे। लेकिन, अब ये सलाखों के पीछे हैं। मंडल का पश्चिमी क्षेत्र पर अच्छा-खासा प्रभाव माना जाता रहा है जिसमें बीरभूम, मिदनापुर, बांकुरा और पुरुलिया शामिल हैं।

TMC के लिए अहम रहे हैं मंडल और मल्लिक

ज्योतिप्रिया मल्लिक बंगाल के सबसे बड़े जिले उत्तर 24 परगना में पार्टी के लिए सक्रिय रहे, जहां 5 लोकसभा क्षेत्र आते हैं। अगर मंडल की बात करें तो कम से कम 6 लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी उनके ऊपर थी। पार्थ चटर्जी दीदी के पुराने सहयोगियों में रहे हैं। वह तृणमूल कांग्रेस की स्थापना के बाद से ही उनके साथ हैं। मगर, अब लगभग एक साल से जेल में हैं। टीएमसी चीफ के कई करीबी सहयोगी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। साथ ही पार्टी के पूर्व महासचिव मुकुल रॉय और सुवेंदु अधिकारी जैसे कुछ लोग भाजपा में शामिल हो गए। इसे लेकर ममता बनर्जी लगातार यह आरोप लगाती रही हैं कि केंद्र सरकार उनके खिलाफ बदले की भावना से काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि टीएमसी को तोड़ा जा रहा है और उनके नेताओं पर झूठे केस लगाए जा रहे हैं।

> **2015 से ही ममता अपने आसपास के मजबूत पिलर्स को एक के बाद एक टूटते हुए देख रही हैं। पिछले 8 साल में उनकी करीबी मंडली के 11 भरोसेमंद लीडर जांच के दायरे में हैं। इनमें कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और संगठनात्मक दिग्गज शामिल हैं,**

ईडी की छापेमारी गंदा राजनीतिक खेलः ममता

ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ईडी की छापेमारी को गंदा राजनीतिक खेल करार दिया। बनर्जी ने कहा, क्या अत्याचार, क्या अनाचार चल रहा है? लोकसभा चुनाव से पहले देशभर में विपक्षी नेताओं पर ईडी छापे के नाम पर भाजपा गंदा खेल खेल रही है। मैं पूछना चाहती हूं कि भाजपा के किसी नेता के आवास पर क्या ऐसी एक भी छापेमारी हुई है? मुख्यमंत्री ने मल्लिक के कोलकाता स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान उन्हें कुछ भी होने पर भाजपा और ईडी के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज करने की धमकी भी दी। उन्होंने कहा कि मल्लिक अस्वस्थ हैं। अगर ईडी की छापेमारी के दौरान उन्हें कुछ हुआ तो मैं एफआईआर दर्ज कराऊंगी।

टीएमसी से जुड़े 7 घोटालों में केंद्रीय एजेंसियों की जांच

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य सरकार और तृणमूल कांग्रेस 2015 से अब तक 7 घोटालों में केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रही है। इन मामलों ने एक तरह से बंगाल को हिलाकर रख दिया है। इन केंद्रीय एजेंसियों में ईडी और सीबीआई अहम हैं। ये दोनों फिलहाल सारदा-रोज वैली पोंजी स्कीम, नारदा स्टिंग ऑपरेशन से जुड़ा घोटाला, भर्ती घोटाला, राशन घोटाला, कोयला और पशु तस्करी घोटाले की जांच में जुटी हुई हैं। तृणमूल के सीनियर नेता ने कहा, दीदी अकेली योद्धा की तरह लड़ रही हैं। हम जानते हैं कि वह कभी झुकने वाली नहीं हैं। पार्टी के कई भरोसेमंद नेताओं का एक तरह से पतन हो गया है। कुछ हमारे पास वापस आए हैं मगर टूटे हुए हैं। हालांकि, दीदी ही हमारी महाशक्ति हैं।

देश में फूलों की 37 प्रजातियां हो जाएंगी खत्म, 20 साल के शोध के बाद एक्सपर्ट की यह डेडलाइन

अल्मोड़ा। देश में पैदा होने वाली फूलों की प्रजातियों के लिए बेमौसम बारिश और जंगलों की आग एवं सूखे के हालात बड़ा खतरा साबित हो रहे हैं। जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण संस्थान की सिक्किम शाखा के अध्ययन में ऐसे कई चिंताजनक तथ्य सामने आए हैं। 20 साल तक चले शोध के बाद वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसे ही हालात रहे तो अगले 27 साल में देश में फूलों की 37 फीसदी प्रजातियां खत्म हो जाएंगी। भारत में फूलों की 17500 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। ये दुनिया में कुल ज्ञात प्रजातियों का करीब सात प्रतिशत हैं। संस्थान की सिक्किम शाखा के वैज्ञानिकों ने पूरे देश में फूलों की स्थिति को लेकर शोध आधारित अध्ययन किया है। इसके लिए वर्ष 2000 से 2020 के बीच फूलों के संबंध में जानकारियां जुटाई गईं। उन पर मौसम में हो रहे बदलाव के असर का भी पता लगाया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि जलवायु परिवर्तन, बेमौसम बारिश, जंगलों में बढ़ती आग और सूखे के हालात से देश में फूलों की प्रजातियों को काफी नुकसान पहुंच रहा है। इनके बीज सही से अंकुरित नहीं हो पा रहे हैं। पौधों के पुनर्जनन और उनकी आंतरिक क्रियाओं में भी कमी देखने को मिल रही है। इससे फूलों की प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा बढ़ रहा है। हिमालयन ट्रंपेट फ्लॉवर को अधिक नुकसान औषधीय और पारंपरिक चिकित्सा में इस्तेमाल किए जाने वाले हिमालयन ट्रंपेट फ्लॉवर पर भी मौसम के बदलाव का काफी असर पड़ रहा है। कई राज्यों में इसे खतरे की श्रेणी में भी रखा गया है। जलवायु परिवर्तन से फूलों पर हुए बदलाव के अध्ययन में पता चला है कि मौसम बदलने से फूलों के बीजों के अंकुरित होने में दिक्कतें आ रही हैं। यह आने वाले समय में फूल प्रजातियों के लिए घातक है। भारत के भौगोलिक क्षेत्र का 25.47 हिस्सा फूलों की प्रजातियों के लिए उपयुक्त माना गया है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले समय में इसमें भी कमी आ सकती है। वर्ष 2050 तक इनके क्षेत्र में 10 से 17 और 2070 तक 20 तक कमी आ सकती है।

मोदी, गडकरी समेत 40 नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह , राजनाथ सिंह , नितिन गडकरी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत 40 प्रमुख नेता छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के विधानसभा चुनावों में चुनाव प्रचार करेंगे।

भाजपा केंद्रीय समिति की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची के मुताबिक श्री मोदी , श्री शाह , श्री सिंह , श्री गडकरी और श्री नड्डा छत्तीसगढ़ में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

अन्य स्टार प्रचारकों में ओपी माथुर , मनसुख मांडविया , योगी आदित्यनाथ , अर्जुन मुंडा , अनुराग ठाकुर , श्रीमती स्मृति ईरानी , धर्मेंद्र प्रधान , रामेश्वर तेली , देवेंद्र फडणवीस , बाबूलाल मरांडी , रविशंकर प्रसाद , अरूण साव , डॉ रमन सिंह , सुश्री सरोज पांडेय , अजीत जामवाल , नितिन नबीन , पवन साय , साक्षी महाराज , केशव प्रसाद मौर्या , मनोज तिवारी , नित्यानंद राय , बृजमोहन अग्रवाल , रवि किशन और सतपाल महाराज शामिल हैं।

इसके अलावा नारायण चंदेल , रामविचार नेताम , गौरीशंकर अग्रवाल , विक्रम उसेंडी , मधुसूदन यादव , संतोष पांडेय , गुहाराम अजगले , गुरू बालदास साहेब , रामसेवक पैकरा , सुश्री लता उसेंडी और चंदूलाल साहू भी चुनाव प्रचार करेंगे। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग तथा सरगुजा संभाग के कुल 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तथा दो नवंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

जल्द पूरी होगी बारापुला एलिवेटेड रोड परियोजना, दिल्ली के एलजी ने दी इस काम की मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली में सराय काले खां और मयूर विहार के बीच बनने वाले बारापुला एलिवेटेड रोड परियोजना का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एलिवेटेड रोड परियोजना के खंभों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण को अपनी मंजूरी दे दी है। राजनिवास के मुताबिक, यह परियोजना 2017 में ही पूरी होनी थी, लेकिन भूमि अधिग्रहण में हुई देरी के चलते इसे तय समय पर पूरा नहीं किया जा सका। भूमि अधिग्रहण नहीं होने के चलते लगभग छह साल से अटकी बारापुला फेस-3 परियोजना में अब तेजी आ सकेगी। उपराज्यपाल ने दक्षिण-पूर्व जिले में सराय काले खां के पास नंगली राजापुर गांव में 0.63 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। उपराज्यपाल ने भूमि अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी देने के साथ ही अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण परियोजना में हुई देरी पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि परियोजना का काम आवश्यक भूमि पार्सल के बिना शुरू किया गया था और अधिकारियों द्वारा आवश्यक भूमि पार्सल का अधिग्रहण समय रहते करने के कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए। इसके चलते दो क्षेत्रों को जोड़ने और यातायात को कम करने वाली यह सार्वजनिक महत्व की परियोजना प्रभावित हुई। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जमीन पर कब्जा न होने, भविष्य में परियोजना के कार्यान्वयन में जोखिम होने के बावजूद परियोजना के निर्माण में सैकड़ों करोड़ रुपये का सार्वजनिक धन खर्च किया गया।

अधिकारियों की तय हो जिम्मेदारी एलजी–उपराज्यपाल ने परियोजना के नियोजन चरण से लेकर अब तक ऐसे व्यक्तियों, अधिकारियों और इंजीनियरों की पहचान करने और जिम्मेदारी तय करने को कहा है जिनकी वजह से यह परियोजना छह साल बाद भी पूरी नहीं हो सकी। इसकी लागत बढ़ने की वजह से राजकोष को नुकसान हुआ है। उन्होंने इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द शुरू करने और इसकी रिपोर्ट उपराज्यपाल सचिवालय को सौंपने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर देरी होती है तो इसकी जिम्मेदारी भी तय करके कर्मचारियों और अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

मद्रास को चन्नई किया, केरल को केरलम करना चाहते, तो फिर इंडिया को भारत करने में क्या दिक्कत?

नई दिल्ली। 'इंडिया बनाम भारत' के बहस के बीच राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर सीआई इस्साक ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा, भारत नाम बच्चों में गर्व की भावना पैदा करता है। यही कारण है कि हमने सभी स्कूली सिलेबस में इंडिया की जगह भारत लिखने की सिफारिश की है। आपको बता दें कि एनसीईआरटी पैनल ने सभी स्कूली पाठ्यपुस्तकों में इंडिया को भारत से बदलने का प्रस्ताव दिया है। विपक्षी दलों ने स्कूली पाठ्यपुस्तकों में केवल भारत रखने की सिफारिश पर आपत्ति जताई है। इस्साक ने कहा, जिन लोगों को सुझाव का विरोध है, उन्होंने मद्रास का नाम बदलकर चेन्नई और तिरुवनंतपुरम का नाम बदलकर तिरुवनंतपुरम कर दिया था। वे केरल को केरलम में बदलना चाहते हैं, लेकिन जब हम भारत कहते हैं, तो उन्हें समस्या क्यों होती है?

इस्साक ने कहा, भारत नाम कम से कम 7,000 साल पुराना है। जब बच्चे ये सुनेंगे तो हमारे समृद्ध इतिहास और विरासत पर उन्हें गर्व महसूस होगा। इंडिया नाम लगभग 150 वर्ष ही पुराना है। इस्साक ने कहा कि उनका सुझाव था कि कक्षा 7-12 तक सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम पढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति बनने के बाद समिति ने सोचा कि छात्रों को भारत नाम पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि अगली पीढ़ी भारत नाम सीखे। जैसा हमें इंडिया सिखाया गया है। हम तो वही कह रहे हैं।

इस्साक ने कहा कि हमने कभी नहीं कहा कि इंडिया का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस्साक की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति द्वारा 2021 में सिफारिशें दी गईं। केरल के शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने कहा था कि राज्य ने सामाजिक विज्ञान के लिए एनसीईआरटी समिति द्वारा दी गई सिफारिशों को खारिज कर दिया है।

नौसेना के जंगी बेड़े की बढ़ेगी ताकत, मिग-29 की जगह लेंगे राफेल

26 फाइटर जेट का ऑर्डर जल्द

नई दिल्ली। नौसेना की ताकत को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में भारत सरकार ने 26 राफेल समुद्री लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए फ्रांसीसी सरकार को अनुरोध पत्र दिया है। एएनआई की रिपोर्ट की मानें तो शीर्ष रक्षा सूत्रों ने बताया कि अनुरोध पत्र कुछ दिन पहले फ्रांसीसी सरकार को सौंप दिया गया है। फ्रांसीसी सरकार ने भारत के अनुरोध पर जल्द निर्णय लेने की बात कही है। रिपोर्ट्स की मानें तो विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य पर तैनाती के लिए संभवतः राफेल विमान की खरीद की जाएगी। भारतीय नौसेना और भारत सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए फास्ट-ट्रैक मोड में काम कर रही है। दोनों के बीच करार पर जल्द से जल्द हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारतीय वाहक पोतों पर राफेल की तैनाती से हिंद महासागर क्षेत्र भारत की निगरानी और सुरक्षा और बेहतर हो पाएगी।

इस साल जुलाई में बैस्टिल डे परेड के लिए राजकीय अतिथि के रूप में भारतीय प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा से ठीक पहले रक्षा अधिग्रहण परिषद ने लगभग 5.5 बिलियन यूरो के विमान सौदे को मंजूरी दे दी थी। प्रस्ताव के मुताबिक, भारतीय नौसेना को चार ट्रेनर विमानों के साथ 22 सिंगल सीटेड राफेल मरीन विमान मिलेंगे। विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और विक्रांत मिग-29 का संचालन कर रहे हैं। दोनों वाहकों पर परिचालन के लिए राफेल की जरूरत है। भारत फ्रांस से पैकेज के हिस्से के रूप में एस्ट्रा हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल सहित अपनी स्वदेशी मिसाइलों के एकीकरण का अनुरोध करेगा। इस कड़ी में राफेल का सौदा भारतीय सुरक्षा को और पुख्ता करेगा।

मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी, मेल भेजकर 20 करोड़ मांगे, कहा- हमारे पास देश के बेस्ट शूटर्स

मुंबई। बिजनेसमैन मुकेश अंबानी को जान से मारने से धमकी मिली है। अज्ञात शख्स ने उन्हें एक ईमेल भेजकर 20 करोड़ रुपए की मांग की हैं। कहा कि देश के बेस्ट शूटर्स से उनको मरवा देगा। सूत्रों के मुताबिक, अंबानी को ये धमकी गुरुवार (27 अक्टूबर) शाम को मिली।

ईमेल में लिखा था, 'IF you don't give us w® crore rupees, we will kill you, we have the best shooters in india'. इस ईमेल के मिलने के बाद मुकेश अंबानी के सिक्योरिटी इंचार्ज की शिकायत के आधार पर गामदेवी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ IPC की धारा 387 और 506 (2) के तहत FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुकेश अंबानी के पास जेड+ सिक्योरिटी है–केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 29 सितंबर को उद्योगपति मुकेश अंबानी की सिक्योरिटी बढ़ाई थी। MHA ने उन्हें जेड+ कैटेगरी की सिक्योरिटी दी है। सिक्योरिटी पर आने वाले खर्च का भुगतान मुकेश अंबानी करते हैं। यह खर्च 40 से 45 लाख रुपए महीना होता है। इससे पहले उन्हें जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक IB की सिफारिश पर गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया। IB ने मुकेश अंबानी पर खतरे की आशंका जताई थी।

> **सिक्योरिटी पर आने वाले खर्च का भुगतान मुकेश अंबानी करते हैं। यह खर्च 40 से 45 लाख रुपए महीना होता है। इससे पहले उन्हें जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी मिली हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक IB की सिफारिश पर गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया। IB ने मुकेश अंबानी पर खतरे की आशंका जताई थी।**

एक साल पहले भी मिली थी अंबानी परिवार को धमकी

15 अगस्त 2022 को भी मुकेश अंबानी के परिवार को जान से मारने की धमकी मिली थी। मुंबई पुलिस के अनुसार, रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल के डिस्प्ले नंबर पर धमकी भरे फोन कॉल किए गए। कॉलर ने धमकी देते हुए कहा कि उनके पूरे परिवार को तीन घंटे में खत्म कर दिया जाएगा। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को अरेस्ट किया था। इसके बाद 5 अक्टूबर 2022 को रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। हॉस्पिटल के लैंडलाइन नंबर पर अनजान शख्स का दो बार कॉल आया, जिसमें कॉलर ने अंबानी परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पहली बार कॉल दोपहर करीब 1 बजे आया और दूसरा कॉल शाम 5 बजे आया। इसके बाद से अस्पताल और एंटीलिया (मुकेश अंबानी का घर) की सुरक्षा बढ़ा दी गई। 10 जनवरी 2023 को मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मुंबई पुलिस ने बताया था कि स्कूल के लैंडलाइन पर शाम साढ़े चार बजे एक कॉल आई। फोन करने वाले ने स्कूल में टाइम बम लगाने का दावा किया था। इसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया था।

फरवरी 2021 में एंटीलिया के पास विस्फोटक भरी कार मिली थी–फरवरी 2021 में एंटीलिया के बाहर से विस्फोटक से लदी एक SUV बरामद की गई थी, जिसमें 20 जिलेटिन की छड़ें और एक चिट्ठी मिली थी। चिट्ठी में मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी को धमकी दी गई थी। इस केस में मुंबई पुलिस के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सचिन वझे का नाम आया था। अभी NIA इस केस की जांच कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कतर से उम्मीद

भारतीय नौसेना के सात पूर्व अधिकारियों और एक नाविक को कतर में मौत की सजा सुनाए जाने से राजनयिक क्षेत्र से घरेलू राजनीति तक स्वाभाविक ही सनसनी का आलम है। यह कोई साधारण मामला नहीं है, इसे पूरी संवेदना के साथ सुलझाने की जरूरत है। भारत से कतर की कोई शत्रुता नहीं है, रिश्ते हमेशा मित्रवत रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कतर शासन के इशारे पर हुआ यह फैसला चकित कर देता है। कुछ लोग इसके पीछे इजरायल के प्रति भारत के उदार रुख को जिम्मेदार मानते हैं। यह बात छिपी नहीं है कि कतर की संवेदना फलस्तीन और साथ ही हमास के प्रति भी रही है। खैर, भारत सरकार को उचित ही ऐसे तमाम उपाय आजमाने चाहिए, ताकि भारतीयों के प्रति न्याय सुनिश्चित हो सके। दुनिया के सबसे अमीर देशों में शुमार कतर किसी न किसी दुर्भावना का शिकार हो रहा है। यह भी गौर करने की बात है कि कतर ने कथित तौर पर जेल में बंद आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिपोर्टिंग करने पर एक भारतीय पत्रकार को निष्कासित कर दिया है। मतलब, कतर इस मामले की चर्चा से भी बच रहा है। अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि भारत उच्च स्तर पर कतर की भावना को समझने की कोशिश करे। भरोसा टूटकर विद्वेष और दुख में बदल जाए, उससे पहले ही सुलह की दिशा में बढ़ना चाहिए। नौसेना के जिन पूर्व अधिकारियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, वे सभी योग्य व सम्मानित हैं, पर जासूसी के आरोप में उनका फंसना अचरज पैदा करता है। इन भारतीयों ने समूह में रहते हुए क्या जासूसी की है और इससे कतर का क्या नुकसान हुआ है, इसको तार्किक रूप से समझना जरूरी है। ये सभी भारतीय वहां एक निजी कंपनी के लिए काम कर रहे थे और उन भारतीयों का पक्ष साफ तौर पर अभी भी सामने नहीं आने दिया गया है। ये सभी जिस निजी कंपनी की सेवा में थे, वह कतर के सशस्त्र बलों और सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण व अन्य सेवाएं प्रदान करती है। इन भारतीयों को अगस्त 2022 से ही कैद में रखा गया है और गोपनीयता बरतते हुए सुनवाई हुई है। भारतीय राजनयिकों को विस्तृत फैसले की समीक्षा करनी चाहिए। अपनी बात रखते हुए संतुलन बहुत जरूरी है। इस काम में सर्वश्रेष्ठ अधिकारियों को ही लगाना चाहिए। भारत दूसरे देशों के नागरिकों के प्रति बहुत उदार रहा है और वैसी ही उदारता की उम्मीद दूसरों से भी रखता है। जो भारतीय कतर की सेना को मजबूत करने में लगे थे, उन्हें मृत्युदंड सुनाया जाना अभी समझ से परे है। भारतीय राजनयिकों को बदलते समय में ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। दुनिया में कभी भी भारतीयों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। छोटे-छोटे देश भी अगर भारत को चुनौती दे रहे हैं, तो उनकी पीड़ा या समस्या को समझना होगा। एक ताजा शिकायत मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर से आई है, जहां पहुंचने वाले भारतीयों से 1,000 डॉलर का शुल्क वसूला जा रहा है। क्या यह सही है? नया शुल्क 23 अक्तूबर से प्रभावी हुआ है। यह शुल्क भारतीयों से वसूलने की वजह को समझना और समाधान करना जरूरी है। अल सल्वाडोर में तो ज्यादा भारतीय नहीं रहते हैं, लेकिन कतर में साढ़े छह लाख से ज्यादा भारतीय रहते हैं। कतर के विकास में भारतीयों का बहुत योगदान है और कतर से भारत आने वाला पैसा भी महत्वपूर्ण है। अत- तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बहुत संवेदना के साथ शांतिपूर्वक इस विवाद को सुलझाना सभी के हित में है।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यो में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है।

हमास के खिलाफ गठजोड़ बनाने की कवायद

पुष्परंजन

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को प्रस्ताव दिया था कि इराक और सीरिया में इस्लामिक स्टेट की जड़ों से जूझ रहे मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन का विस्तार किया जा सकता है। इसमें सहमति बनी तो हमास के खिलाफ लड़ाई तेज़ की जा सकती है। यरुशलम में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक बैठक के बाद यह प्रस्ताव मैक्रों ने दिया है। इससे यूरोप को क्या हासिल होने वाला है? बड़ा सवाल है। फ्रांस में हमास के समर्थन में प्रदर्शन पर आधिकारिक रोक आयद है। आगामी 9 जून, 2024 तक फ्रांस में संसदीय चुनाव हो जाना है। 2024 में अमेरिका और भारत में भी आम चुनाव हैं। दुनिया के 53 देशों में 2024 में आम चुनाव हैं, उनमें सर्वाधिक यूरोप के देश हैं। यह कहना मुश्किल है कि ओशिनिया, पालाउ, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आम चुनावों की रणनीति इस्राइल-फलस्तीन युद्ध से प्रभावित होगी या नहीं, मगर यूरोप, अमेरिका, उत्तर अफ्रीका, एशियाई मुल्क इससे अछूते नहीं रह सकते। मैक्रों कुछ खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर बताना चाहते हैं कि आइसिस यानी दाएश नये सिरे से अपनी जड़ों का विस्तार फलस्तीनी प्रभाव वाले क्षेत्रों में कर रहा है। अलायंस ने कुर्द लड़ाकों के साथ काम किया, जिन्होंने सीरिया में जमीनी लड़ाई का बड़ा हिस्सा संभाल रखा था। इन लोगों ने प्रमुख इराकी शहर मोसुल सहित उत्तरी सीरिया और उत्तरी इराक में कई क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया था। दाएश की जड़ों को समाप्त करने वाले गठबंधन की स्थापना 2014 में की गई थी, इसमें यूरोपीय संघ और अरब लीग वाले देशों के 86 सदस्य शामिल हैं। मगर, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि दाएश को मिटाने के लिए जो सर्वसम्मति पाई गई थी, वह हमास के खिलाफ अभियान में तब्दील नहीं होगी। ऐसे अलायंस के बैनर तले अरब लीग के देश हमास के विरुद्ध अभियान में आगे आयेंगे, इसमें शक ही है। शांति प्रयास के लिए देर से ही सही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ संज़ीदा तो हुआ है। मगर, बातचीत की मेज़ पर महमूद अब्बास दिखते रहे। कायदे से इस्माइल हानिया को मेज पर होना चाहिए, जो गाज़ा पर दशकों से शासन करते रहे, जिनकी एक आवाज़ पर राकेट का दगना बंद हो सकता है। वर्ष 2006 में दूसरे संसदीय चुनाव के बाद हमास और फतेह पार्टी में खटपट शुरू हुई। दोनों में सत्ता बंट गई। रामल्ला केंद्रित वेस्ट बैंक की सियासत महमूद अब्बास की फतेह पार्टी देखने लगी, जो वहां के राष्ट्रपति घोषित किये गये। 14 जून, 2007 से गाज़ा पट्टी की सत्ता हमास के हाथों में है, उसके प्रधानमंत्री हैं इस्माइल हानिया। हानिया के बराबर हमास में नेता खड़ा करने के प्रयास लगातार हुए हैं। हमास की राजनीतिक गतिविधियों के हवाले से कोई भी पूछेगा, यह एक निर्वाचित सरकार की हैसियत से इस्राइल के विरुद्ध लड़ रहा है, या उसे आतंकी संगठन ही मान लिया जाए? फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (आईएफआरआई) के एली टेनेनबाम ने कहा, दाएश विरोधी गठबंधन के सदस्यों की सूची में कतर, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई देश शामिल रहे हैं, जो हमास पर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की रणनीति से इत्तेफ़ाक़ नहीं रखते। मगर, यहूदी मीडिया को माहौल बनाने के लिए लगा दिया गया है। तेल अवीव से मुद्रित हारेत्ज़ अख़बार ने दस ऐसे शोधार्थियों व स्कॉलर्स के शोध पत्रों को प्रकाशित किया है, जिसमें यह बताने की चेष्टा की गई है कि हमास की मारक क्षमता आइसिस से तालमेल की वजह से बढ़ी है। इसमें सबसे दिलचस्प यह है कि आइसिस विरोधी 86 देशों का जो गठबंधन बना था, उसमें इस्राइल सदस्य नहीं था। लंदन स्थित थिंक टैंक 'चौथम हाउस' के वरिष्ठ शोधार्थी रेनैड मंसूर ने कहा, 'दाएश के ख़िलाफ लड़ाई में इराकी और सीरियाई आबादी का व्यापक समर्थन था, मगर हमास के खिलाफ ऐसा कोई भी अभियान कठिन होगा, क्योंकि हमास के समर्थन में मुस्लिम देश अधिक हैं। लेकिन जो सबसे ख़तरनाक दिखने लगा है, वह है दोनों तरफ़ होने वाला नरसंहार।' अफसोस दोनों ओर के नेता विजयी मुद्रा में हैं। नेतन्याहू अपनी घरेलू राजनीति में ख़म ठोक सकते हैं कि देखो हमारा कम नुकसान हुआ, फलस्तीनियों को हमने कीड़े-मकोड़ों की तरह मारा है। इस्राइली अख़बार भी जिस तरह से संख्या बता रहे हैं, उससे महसूस किया जा सकता है कि यहूदी मीडिया बेंजामिन नेतन्याहू के इस एजेंडे को पुष्ट कर रहा है। हमास सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 7 अक्तूबर से इस्राइली बमबारी में गाजा पट्टी में 5,791 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। दूसरी ओर इस्राइली अधिकारियों के अनुसार, हमास के हमले में उनकी तरफ के 1,400 से अधिक लोग मारे गए हैं। हमास ने अब तक 220 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से दो अमेरिकी, दो इस्राइली (85 वर्षीय लाइफशिट्ज और 79 वर्षीय नुरिट कूपर) को स्वास्थ्य कारणों से रिहा कर दिया है। नुरिट कूपर के बयानों को सुनने वाले सिहर गये थे, जैसे वो मिनी नरक से मुक्त हुई हों। यह भी युद्ध नीति का हिस्सा होता है कि शत्रु पक्ष को जितना डराओगे, वह समझौते की मेज पर उतना ही शिथिल दिखेगा। हमास को लेकर मुस्लिम देश भी रणनीति तेज़ी से बदल रहे हैं। कतर, हमास की सबसे बड़ी आर्थिक ताक़त है। वर्ष 2012 में क़तर के अमीर शेख़ हमद बिन ख़लीफा अल-थानी गाज़ा पट्टी आये और हमास को 1.8 अरब डॉलर की मदद देने की घोषणा की थी। अरब लीग, ट्यूनीशिया हमास की सरपरस्ती करते रहे। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्की के राष्ट्रपति रिज़ेब तैयप एर्दोगान ने हमास नेता इस्माइल हानिया को हरसंभव सहायता देने का ऐलान किया है। जर्मनी समेत यूरोप के कई देशों में सक्रिय एनजीओ पिछले साल तक हमास को पैसे भेजते रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि हमास के पास आठ से 10 हज़ार रॉकेटों का जो ज़ख़ीरा है, उसमें ईरान का सबसे बड़ा योगदान है। ये रॉकेट मिस्र व सूडान के बरास्ते गाज़ा पट्टी पहुंचाये गये। लेबनान में 'हिज़बुल्ला', यमन के 'होथी' लड़ाके, हमास की मदद आड़े वक्त करते रहे। यहां सबसे बड़ी दिक्क़त पाकिस्तान के साथ है, जो 'बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना' हो जाता है। आग फलस्तीन में लगती है, उसके हवाले से पाकिस्तान कश्मीर में उकसाने का काम करने लगता है। लेकिन भारत क्यों कन्फ्यूज़्ड है? कभी यूएन में इस्राइल के साथ दिखता है, कभी विदेश मंत्रालय के आधिकारिक बयान में फलस्तीन को मरहम लगाता मिलता है। किंकर्तव्यविमूढ़ कूटनीति का ही नतीज़ा है कि नई दिल्ली स्थित इस्राइली राजदूत नाओर गिलों ने मांग कर दी है कि भारत सरकार हमास को आतंकवादी संगठन घोषित कर दे। क्या यह संभव है भारत सरकार के लिए? अब तो न उगलते बन रहा है, न निगलते!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जन चेतना के साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति भी जरूरी

प्रेम कुमार धूमल

आज हमारे सामने सबसे बड़ी व गंभीर समस्या नशे की है। नशे का यह कैंसर जिस तीव्रता से समाज में फैल रहा है उसे देख-सुनकर आदमी सिहर उठता है और लगता है कि जिस गति से नशा समाज को विनाश की गर्त में ले जा रहा है उससे तो समाज का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। प्रतिदिन नशे से होने वाली युवाओं की मौतों की खबरें और नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेपें पकड़े जाने के समाचार डराते हैं। मानव समाज के अस्तित्व को खतरे में डालने वाला स्वयं इंसान ही है जो पैसे के लालच में अन्धा होता जा रहा है। एक समय था जब तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी और अधिक से अधिक शराब को नशा माना जाता था। लेकिन आज अफीम, चरस, गांजा, कोकीन, चिट्टा और न जाने कौन-कौन से नए नामों के साथ नशा समाज में तबाही मचा रहा है। इस धंधे में जो अंधाधुंध कमाई हो रही है उसके लालच में लोग इस दलदल में फंसते हैं। यह भी कि जो फंस गए वे फिर निकल नहीं पाते। अधिकाधिक धन कमाने के लालच में लोग फंसते हैं। इसी तरह पुलिस प्रशासन और अन्य एजेंसियों के कुछ लोग जिनको इस पर नियंत्रण करना है, वे भी रिश्वत के चक्कर में आंखें मूंद लेते हैं। इसका भयंकर परिणाम यह हो रहा है कि बच्चे, विद्यार्थी और युवा नशेड़ी बन जाते हैं। परिवार नियोजन के कारण बहुत सारे परिवारों में एक ही बच्चा, लड़का या लड़की होती है और वह मासूम जब नशे की लत का शिकार हो जाता है तो मां-बाप की जिन्दगी भी नर्क बन जाती है। यदि युवा पीढ़ी नशेड़ी होगी तो न सेना के लिए वीर सैनिक मिलेंगे, न पुलिस प्रशासन के लिए स्वस्थ व जागरूक कर्मचारी-अधिकारी मिल पाएंगे। इस तरह न कृषि का क्षेत्र, न उद्योग का क्षेत्र और न ही सेवाओं का क्षेत्र नशे के असर से बचेगा। नशे का यह जहर सारे समाज को खोखला कर देगा। निःसंदेह इस संकट को दूर करने के लिए कोई बाहर से आकर समाधान नहीं निकालेगा। हम सभी को स्वयं नागरिक के तौर पर अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति दायित्व निभाना है। कुछ समय से मैं देख रहा हूं कि परिवार की परिभाषा पति, पत्नी और बच्चों तक ही सीमित हो गई है। समाज के अन्य लोगों का सुख -दुख हमारा अपना नहीं होता। इसी प्रकार से हमारा सुख-दुख समाज के लोगों का नहीं होता। इसी कारण से मनुष्य कष्ट या समस्या के समय सामाजिक प्राणी होते हुए भी अपने आप को अकेला पाता है। कुछ समय पहले तक किसी का भी बच्चा अगर सिगरेट, बीड़ी या शराब आदि का नशा करते किसी को मिलता था तो प्रत्येक व्यक्ति अपना सामाजिक दायित्व समझते हुए उसे रोकता था। उसके परिवारजनों को सूचना देता था तो एक प्रकार से कुरीतियों पर, दुष्प्रभावों पर पारिवारिक नियंत्रण के साथ-साथ सामाजिक नियंत्रण भी होता था। नशे की बात हो, महिलाओं से छेड़खानी की बात हो या कोई दुर्घटना हो जाए तो आंख बचाकर निकलने में ही भलाई समझी जाती है। इसलिए पहले तो सभी अपना पारिवारिक दायित्व निभाएं। हम केवल बच्चे पैदा करना ही अपना दायित्व न समझें, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार देना, समय देना और समाज को सुसंस्कृत, सभ्य नागरिक देना भी सभी का दायित्व है। सामाजिक दायित्व को समझते हुए बुराई के खिलाफ खड़े होने का नैतिक साहस अपने अंदर पैदा करें और सामाजिक दायित्व को निभाएं। गलत किसी के साथ भी हो रहा है तो उसके खिलाफ आवाज उठाएं। परिवार और समाज के साथ सरकार पर भी बहुत बड़ा दायित्व आता है। इन बुराइयों को कुचलने के लिए सरकार को सख्त कानून बनाने की जरूरत है। इसमें वर्तमान कानूनों में अगर किसी संशोधन की आवश्यकता हो तो केंद्र और प्रदेश की सरकारें मिलकर सख्त कानून बनाएं। पुलिस प्रशासन के लोग अकसर यह शिकायत करते हैं कि हम तो केस पकड़ते हैं लेकिन अदालत से लोग छूट जाते हैं क्योंकि पकड़ी गई नशे की खेप की मात्रा कम होती है। तो क्या अपराधी नशा इतनी कम मात्रा में लाते हैं या पकड़ने वाले पकड़ी गई खेप की मात्रा कम दिखाते हैं। इसलिए सख्त कानून की आवश्यकता केवल धन के लालच में लगे समाज विरोधी ड्रग तस्करों के लिए नहीं अपितु इसे बनाने वालों, तस्करी करने वालों, नशा फैलाने वालों, प्रयोग करने वालों और संलिप्त पुलिस प्रशासन तथा राजनीतिक संरक्षण देने वालों समेत सब के लिए है। इसके लिए सबको इन समाज विरोधी गतिविधियों में लिप्त सभी लोगों के विरुद्ध सख्त दृष्टिकोण अपनाना होगा और सामान्य कानूनों के तहत मिलने वाले संरक्षण से इन्हें बाहर रखना होगा। मुझे याद है, साल 1995 में संसद की 'पर्यटन और परिवहन' की स्थाई समिति के सदस्य के तौर पर सिंगापुर जाने का अवसर मिला। उन दिनों अमेरिका के दो नागरिक नशे की तस्करी के आरोप में सिंगापुर में पकड़े गये थे। अमेरिका के राष्ट्रपति ने उन्हें छुड़ाने के भरसक प्रयास किए, लेकिन प्रधानमंत्री श्री ली ने एक न सुनी और तीस लाख की आबादी वाले सिंगापुर ने दुनिया के सबसे ताकतवर देश के दोनों नशा तस्करों को अपने देश के कानून के अनुसार फांसी पर लटका दिया।

क्या 140 करोड़ की आबादी वाला नया भारत और यहां के भिन्न-भिन्न दलों के नेता दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नशे के इस कैंसर से देश को मुक्त करने की इच्छाशक्ति दिखाएंगे और विश्व शक्ति बनने वाला भारत 'नशा मुक्त' भी होगा? यही हमारी सबसे बड़ी परीक्षा है और यह पास कर ली तो सबसे बड़ी उपलब्धि भी होगी।

लेखक हि.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री हैं।

विचार मंथन

सरकार क्यों नहीं भेज रही यूएन में प्रतिनिधि मंडल

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत सरकार, 2015 के बाद से संयुक्त राष्ट्र संघ में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नहीं भेज रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में सभी देशों के प्रतिनिधि प्रति वर्ष भाग लेते हैं। इसमें लैंगिक समानता, शिशु मृत्यु दर, जलवायु परिवर्तन, गरीबी इत्यादि के संबंध में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करते हैं। किस तरह से इन विषयों पर सफलता पाई जा सकती है,चर्चा करते थे। मंच से अपने विचार रखने का मौका हर देश को मिलता है। हर साल संयुक्त राष्ट्र संघ में सितंबर से लेकर दिसंबर के बीच में सारी दुनिया के देशों के संसदीय प्रतिनिधि यहां पर पहुंचते हैं। विभिन्न देशों की सरकार, अपने प्रतिनिधियों को यूएन भेजती है। वहां जाकर अपने देश का पक्ष रखते हैं। साथ ही अन्य देशों से आए हुए लोगों का पक्ष भी जानने का मौका मिलता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्या के समाधान के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं, इसकी जानकारी भी वहां जाने पर मिलती है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की शुरुआत जवाहरलाल नेहरू के समय से हो गई थी। इस प्रतिनिधि मंडल में सभी दलों के सांसदों को भेजा जाता था। जो संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर अपने देश का पक्ष बखूबी रखते थे। 2015 के बाद से एक भी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र संघ में नहीं भेजा गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संसदीय प्रतिनिधि मंडल की विशेष भूमिका होती है। जब सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल यूएन की बैठक में भाग लेने जाता था, तो सभी दलों के प्रतिनिधियों के बीच में भी आपसी सहमति और भारत का पक्ष किस तरह से रखा जाए। जो राष्ट्र के गौरव बढ़ाये, इस संबंध में सभी चर्चा करते थे। सभी दलों के सांसदों के बीच में एक सहभागिता तथा स्वस्थ लोकतंत्र के आदर्शों के प्रति विश्वास जागृत होता था। 2015 के बाद से जब कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन के दौरे पर नहीं गया है। सांसदों को अंतर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले बदलाव, भारत के बारे में दुनिया के अन्य देशों की क्या सोच है। भारत अपने बारे में क्या कहना चाहता है, इसको लेकर यूएन के साथ बड़ा वैक्यूम बन गया है। भारत सरकार प्रतिनिधि मंडल में सरकार कई बार विपक्षी सांसद के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल भेजती थी। जिसमें सारी दुनिया में यह संदेश जाता था, कि भारत में लोकतंत्र है। पिछले 8 वर्षों से कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन नहीं गया। सांसदों को यहां पर जाकर अपने प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलता था। संसदीय कार्यकाल में यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धता होती थी। जिसमें वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या चल रहा है, यह सब जानने, समझने और भारत का पक्ष बताने का मौका मिलता था। वर्तमान सरकार ने प्रतिनिधि मंडल भेजना क्यों बंद किया है। इसका कोई कारण तो अभी तक नहीं बताया गया है। जैसा कि माना जाता है, सत्ता में विपक्ष की भागीदारी को वर्तमान सरकार स्वीकार नहीं करती है। यूएन जो प्रतिनिधिमंडल जाता था, वह पूरी तरीके से स्वतंत्र होता था। सभी सांसद अपने देश का पक्ष खुलकर रखते थे। यूएन के बड़े-बड़े समिति कक्ष में बैठकें होती हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित करने का मौका प्रतिनिधि मंडल को मिलता था। इससे देश का गौरव भी बढ़ता था। कई दशकों के इतिहास में कभी ऐसा कोई मौका नहीं आया,जब प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र में गया हो और उसके कारण भारत की छवि को तथा सरकार को कोई परेशानी का सामना करना पड़ा हो। वर्तमान सरकार के सामने सत्ता पक्ष के सांसद अपना पक्ष ठोस तरीके से नहीं रख पाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी से संपर्क कर पाना भी बहुत आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष के सांसद भी अपनी मांग नहीं रख पाते हैं। विपक्ष के सांसद प्रधानमंत्री तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की दूरियां लगातार बढ़ती हुई दिख रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की स्थिति दिनोंदिन कमजोर हो रही है। यह चिंता का विषय है।

स्मार्ट बाज़ार में त्यौहार पर जबरदस्त ऑफर

नई दिल्ली । बचत हमेशा भारतीय उपभोक्ता के लिए केंद्रीय आकर्षण रही है। और जब रोजमर्रा की वस्तुओं पर बचत की बात आती है, तो स्मार्ट बाजार इस श्रेणी में अग्रणी है। स्मार्ट बाजार कई श्रेणियों के लिए वन-स्टॉप शॉपिंग गंतव्य है, जिसमें स्टेपल, पैकेज्ड फूड, घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल, फल, सब्जियां शामिल हैं। डेयरी, परिधान, घरेलू सामान, घरेलू साज-सज्जा, छोटे उपकरण, सामान, आदि। स्मार्ट बाज़ार में जाने से पहले आपको दो बार सोचने की ज़रूरत नहीं है; दिन, सप्ताह के दिन या सप्ताहांत, महीने की शुरुआत या अंत की परवाह किए बिना, आप निश्चिंत हो सकते हैं कि आपको अपनी सभी खरीदारी आवश्यकताओं के लिए सबसे कम कीमत मिलेगी। इससे भी बेहतर, आपको 1999 रु. की खरीदारी पर केवल रु. 9 प्रति किलो के हिसाब से चीनी मिलती है।स्मार्ट बाज़ार ने माधुरी दीक्षित को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया और अपना ब्रांड अभियान, स्मार्ट बाज़ार चलें लॉन्च किया। माधुरी इस ब्रांड के लिए बिल्कुल उपयुक्त थीं, क्योंकि वह अपने विशिष्ट आकर्षण के साथ ग्राहकों के लिए सापेक्षता का एक नया पहलू लेकर आई थीं। इस उत्सव में आवश्यक वस्तुएं जैसे स्टेपल, परिधान और उपहार देने वाली वस्तुएं एक ही छत के नीचे सर्वोत्तम कीमतों और अद्भुत ऑफर के साथ उपलब्ध हैं।

देश में 19 फीसदी बढ़ा आम का निर्यात

नई दिल्ली । भारत में आम निर्यात 2023 सीजन में 19 फीसदी बढ़ा है। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार फलों की तेज मांग रहने के कारण कुल निर्यात 47.98 अरब डॉलर का रहा है। मात्रा के हिसाब से देखें तो भारत ने चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 5 महीने में 47.98 अरब डॉलर के 27,330 टन आम का निर्यात किया है। यही मोटे तौर पर देश में आम का सीजन होता है। मात्रा के हिसाब से भी आम निर्यात 19 प्रतिशत बढ़ा है। भारत में सामान्यतया आम का सीजन अप्रैल के करीब शुरू होता है और जुलाई के अंत या अगस्त तक चलता है। विश्व में आम के प्रमुख निर्यात केंद्रों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, पश्चिम अफ्रीकी देश जैसे कतर, संयुक्त अरब अमीरात व अन्य देश शामिल हैं। 2023 सीजन में भारत ने 41 देशों में आम का निर्यात किया है और कुछ नए देशों जैसे ईरान, मॉरिशस, चेक रिपब्लिक और नाइजीरिया में आम भेजे हैं। सरकार भी फलों के निर्यात के लिए कदम उठा रही है।

एफपीआई की बिकवाली का सबसे ज्यादा असर वित्तीय, आईटी शेयर पर

नई दिल्ली। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा है कि एफपीआई की बिक्री लगातार जारी है, जिसका सबसे ज्यादा असर वित्तीय सेवाओं और आईटी सेगमेंट पर पड़ रहा है। अक्टूबर में एफपीआई ने 20,356 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची है। उन्होंने कहा कि एक्सचेंजों के माध्यम से बिक्री 25,575 करोड़ रुपये से अधिक रही है। एफपीआई ने वित्तीय, बिजली, एफएमसीजी और आईटी जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा बिकवाली की। निरंतर बिक्री का मुख्य कारण अमेरिकी बांड यील्ड में तेज वृद्धि है, जिसने 10 साल की यील्ड को 17 साल के उच्चतम 5 प्रतिशत पर पहुंचा दिया है। यील्ड अब घटकर 4.84 फीसदी पर है। उन्होंने कहा, इतनी ऊंची बॉन्ड यील्ड के साथ एफपीआई के लिए पैसा निकालना तर्कसंगत भी है।उन्होंने कहा, पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर अनिश्चितता से बाजार में नेगेटिव सेंटीमेंट्स हैं। एफपीआई निवेश की एक महत्वपूर्ण विशेषता ऋण बाजार में बढ़ती आमद है। एफपीआई की बिकवाली ने वित्तीय सेवाओं और आईटी सेगमेंट को दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित किया है। इसका कारण यह है कि ये दो सेगमेंट एफपीआई के एयूएम (एसेट अंडर मैनेजमेंट) का बड़ा हिस्सा हैं।

भारत ने ओसाका में जी-7 बैठक के दौरान जापान, ब्रिटेन के साथ व्यापार वार्ता की

नई दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को ओसाका में जापान के व्यापार मंत्री निशिमुरा यासुतोशी और ब्रिटेन के व्यापार मंत्री केमी बडेनोच के साथ अलग-अलग बैठकों में व्यापार और निवेश पर द्विपक्षीय वार्ता की। ओसाका में जी 7 व्यापार मंत्रियों की बैठक के दौरान जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री के साथ एक बैठक की। गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा, विभिन्न क्षेत्रों में भारत-जापान व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक गति देने पर विचार-विमर्श किया। मंत्री ओसाका में ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) के व्यापार मंत्रियों की बैठक के लिए जापान में हैं। सीईपीए पर हस्ताक्षर के बाद दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ गया है और वित्त वर्ष 2022 में 20 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है,

हालांकि, 11 वर्षों की अवधि में जापान के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग दोगुना होकर 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।जापान से भारत के आयात में 1.6 प्रतिशत की सीएजीआर वृद्धि देखी गई, जबकि जापान को भारत के निर्यात में 2012 से 2022 तक 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

दोनों सरकारें अपने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए मेक इन इंडिया अभियान, पीएलआई योजना और व्यापार के विविधीकरण आदि पर जोर देते हुए भारत सरकार के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापार संबंधों की दिशा में काम कर रही हैं।

इससे निर्यात में योगदान बढ़ाने में मदद मिलेगी।गोयल ने एक्स पर यह भी कहा कि उन्होंने यूके के व्यापार मंत्री केमी बडेनोच के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की वार्ता की प्रगति पर चर्चा की।जिन मुद्दों पर चर्चा की जा रही है उनमें सामान, सेवाएं, निवेश और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स शामिल हैं।

भारत यूके के बाजार में आईटी और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों से अपने कुशल पेशेवरों के लिए अधिक पहुंच की मांग कर रहा है, इसके अलावा शून्य सीमा शुल्क पर कई वस्तुओं के लिए बाजार पहुंच की भी मांग कर रहा है। दूसरी ओर, यूके स्कॉच व्हिस्की, ऑटोमोबाइल और चॉकलेट जैसी कुछ कन्फेक्शनरी वस्तुओं जैसे सामानों पर सीमा शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती चाहता है। ओसाका में डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक के साथ एक अन्य बैठक में गोयल ने विकासशील देशों को वैश्विक व्यापार में उचित सौदा देने का मुद्दा भी उठाया।

बीपीसीएल ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 8,501 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ वापसी की

नई दिल्ली। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 8,244 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में 338 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने 19,052 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक अर्धवार्षिक लाभ भी कमाया है। बीपीसीएल ने जुलाई-सितंबर 2023 तिमाही के लिए परिचालन से 1,16,594 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 1,28,333 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में तेल दिग्गज का स्टैंडअलोन मुनाफा 8,501 करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में 304 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। अप्रैल-सितंबर 2023 की अवधि के लिए कंपनी का सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) 15.42 डॉलर प्रति बैरल था, जबकि 1 जुलाई 2022 से लगाए गए विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क, सड़क और बुनियादी ढांचे उपकर के प्रभाव को शामिल करने से पहले इसी तुलनात्मक अवधि में 22.30 डॉलर प्रति बैरल था।

सेबी ने सात जिंसों में वायदा कारोबार निलंबन एक साल बढ़ाया

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने गेहूं और मूंग सहित सात कृषि जिंसों में वायदा और विकल्प कारोबार के निलंबन को एक साल बढ़ा दिया है। कीमतों पर नियंत्रण के लिए यह प्रतिबंध अब दिसंबर 2024 तक लागू रहेगा। सेबी ने जिन कृषि जिंसों के वायदा और विकल्प कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें धान (गैर-बासमती), चना, कच्चा पाम तेल, सरसों बीज और सोयाबीन शामिल हैं। सेबी ने एक बयान में कहा कि उपरोक्त अनुबंधों में कारोबार का निलंबन 20 दिसंबर, 2023 से आगे 20 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। इन जिंसों में मौजूदा सौदों को काटा जा सकता है, लेकिन एक वर्ष के लिए किसी भी नए वायदा कारोबार की अनुमति नहीं होगी। महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सेबी ने दिसंबर 2021 में एक्सचेंजों को सोयाबीन, सरसों, चना, गेहूं, धान, मूंग और कच्चे पाम तेल के नए वायदा और विकल्प अनुबंध शुरू करने से रोक दिया था।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

कमजोर महंगाई के आंकड़ों के बाद अमेरिकी बांड प्रतिफल में नरमी की वजह से भारतीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में 6 दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को आखिरकार बढ़त के साथ बंद हुए। मंगलवार को विजयदशमी पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से बीते सप्ताह बाजार में केवल चार दिन का कारोबार हुआ। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि अमेरिका में इंफ्लेशन के आंकड़े उम्मीद से कमजोर रहने के बाद ट्रेजरी यील्ड में गिरावट देखने को मिली, जिसका भारतीय बाजार के ज्यादातर सेक्टर्स पर पॉजिटिव असर दिखाई दिया। बीते सप्ताह के चार दिन के कारोबार पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 56.3 अंक बढ़कर 65,453.92 पर खुला और 825.74 अंक की गिरावट के साथ 64,571.88 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 14.2 अंक चढ़कर 19,556.85 पर खुला और 260.90 अंक की गिरावट के साथ 19281.80 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 62.33 अंकों की

गिरावट के साथ 64,533.54 पर खुला और 522.82 अंकों की गिरावट के साथ 64,049.06 पर बंद हुआ। निफ्टी 15.35 अंक फिसल कर 19,269.60 के स्तर पर खुला और 159.60 टूटकर 19,122.15 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 900 अंक गिरकर 63200 अंक पर खुला और 900 अंकों की गिरावट के साथ 63,148.15 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी हल्की गिरावट के बाद 18,900 अंक पर खुला और 264.91 कमजोर होकर 18,857.25 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार में बीते छह दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लगा। नवंबर सीरीज के पहले कारोबारी दिन बाजार में हरे निशान पर कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 449.04 अंकों की बढ़त के साथ 63,597.19 पर खुला और 634.65 अंकों की बढ़त के साथ 63,782.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.96 अंकों की बढ़त के साथ 18,997.05 पर खुला और 190.00 अंक मजबूत होकर 19,047.25 पर बंद हुआ।

देश के 140 करोड़ में से सिर्फ 6.65 करोड़ लोग ही भर रहे आयकर!

- सरकार को मिलने वाले आयकर की 76 फीसदी राशि 5 फीसदी लोग भरते हैं

नई दिल्ली।

भारत में अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक आबादी है लेकिन यहां पर आयकर का भुगतान करने वाले सबसे कम हैं। डेटा के अनुसार 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सिर्फ 6.65 करोड़ ही आयकर का भुगतान करते हैं। यह संख्या कुल आबादी की 4.8 और वयस्क की आबादी 6.3 है। यह तथ्य भी चौंकाने वाला है कि सरकार को मिलने वाले कुल आयकर की 76 फीसदी रो शि 32 लाख (5 फीसदी) लोग भरते हैं। सबसे अे धिक चौंकाने वाली बात यह है कि यह ट्रेंड पिछले नौ सालों से चला आ रहा है। सरकार ने कर संग्रह बढ़ाने के लिए डिमोनेटाइनेशन, जीएसटी और बड़े ट्रांजेक्शन में पैन अनिवार्य किया फिर भी कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। वैश्विक निवेश बैंक जेफरीज ने देश के 10 साल के व्ये क्तिगत आयकर ट्रेंड का विश्लेषण किया है। इसके अनुसार रिटर्न भरने वालों की संख्या हर साल 8 फीसदी की दर से बढ़ रही है। साल 2012 में इनकी संख्या 3.1 करोड़ थी जो 2023 में 7.1 करोड़ रह गई है। इसके उलट कारपोरेट टैक्स भरने वाले 5 फीसदी सालाना की दर से बढ़कर 10 लाख ही हुए। हालों कि ज्यादा छूट मिलने से व्ये क्तिगत आयकर जमा करने वालों की संख्या 33 फीसदी गिर गई है। 5 लाख, 10.5 लाख, 50 लाख से अे धिक आय वाले करदाता सालाना 17 से 20 फीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। व्यक्तिगत करदाताओं की आय बढ़ी है। यह 2012 में जीडीपी 15 फीसदी थी जो 2023 में 23 फीसदी हो गई है। कुल व्यक्तिगत आय में शार्ट टर्म ओर लांग टर्म कै पिटल गैन्स का योगदान दोगुना बढ़कर 7.6 फीसदी हो गया है। यही नहीं आय में कैपिटल गैन्स बताने वाले पिछले तीन साल में दोगुने हो गए हैं। ऐसा डिस्क्लोजन बढ़ने और डेटा ट्रेकिंग के चलते हुआ है। अब रिटर्न फार्म में पहले से यह जानकारी भरी रहती है। सीबीडीटी के मुतो बिक व्यक्तिगत आयकर का भुगतान करने वाले शीर्ष एक फीसदी लोगों की कुल आय अन्य आयकरदाताओं के मुकाबले कम हुई है।

यूनिकॉर्न ही नहीं, सूनीकॉर्न का भी केंद्र बन रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य में औद्योगिक विकास के साथ ही इनोवेशंस और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसके चलते उत्तर प्रदेश में आठ यूनिकॉर्न की उपस्थिति है, कई स्टार्टअप्स तेजी से यूनिकॉर्न बनने की ओर अग्रसर हैं। ऐसे स्टार्टअप्स को सूनीकॉर्न यानी सून टू बी यूनिकॉर्न कहा जाता है। उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 तक 10 हजार स्टार्टअप्स की उपस्थिति का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसके अनुरूप वर्ष 2023 के मध्य तक ही लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। प्रदेश में निवेश के आंकड़ों का संकलन कर रही एजेंसी केपीएमजी ने एक रिपोर्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पे-टीएम, पे-टीएम मॉल, इंडिया मार्ट, मोगलिक्स, पाइन लैब्स, इनोवेसर, इंफो एज और फिजिक्स वाला वो स्टार्टअप्स हैं जो उत्तर प्रदेश में बेस्ड हैं और ये देश की यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में शुमार हैं। यूनिकॉर्न स्टार्टअप वो स्टार्टअप होता है जिसकी वैल्यूएशन एक अरब डॉलर से अधिक हो। फिलहाल देश में 108 से ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स मौजूद हैं। प्रदेश में दो सूनीकॉर्न स्टार्टअप्स कार्य कर रहे हैं और इनके नाम क्लास प्लस व इनशॉर्ट्स हैं। इसके अलावा, जिन स्टार्टअप्स का वैल्यूएशन 10 लाख डॉलर हो जाता है उन्हें मिनिकॉर्न कहा जाता है और ऐसे स्टार्टअप पोटेंशियल के लिहाज से भी उत्तर प्रदेश लगातार प्रगति कर रहा है।

युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना चाहिएः नारायण मूर्ति

- इंफोसिस फाउंडर नारायण मूर्ति की बात पर उद्योगपतियों ने रखे विचार

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की कार्य संस्कृति में बदलाव होना चो हिए और देश को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसके बाद से देश के कॉरपोरेट जगत में चर्चा छिड़ गई है। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान में काम की परिस्थितियों की मिसाल दी और कहा` कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी और जापान के लोगों ने यही किया। इन देशों के लोगों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी लोग कुछ सालों तक कुछ अतिरिक्त घंटे तक काम करें। मूर्ति को इस बयान के लिए सराहना के साथ समर्थन भी मिला। ओला के सह संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) भवीश अग्रवाल ने एक्स पर उनका समर्थन करते हुए ट्वीट किया, मैं मूर्ति के विचारों से पूर्ण रूप से सहमत हूं। यह वक्त कम काम करने और अपना मनोरंजन करने का नहीं है। इसके बजाय हमारे लिए यह मुफीद वक्त है कि हम एक पीढ़ी को तैयार करने में अपना वक्त दें जिसके लिए कई देशों ने कई पीढ़ियों तक काम किया है। जेएसडब्ल्यू समूह के अध्यक्ष सज्जन जिंदल ने मूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। 'इसके लिए इस पीढ़ी को और अगली पीढ़ी को भविष्य की पीढ़ी के लिए अपना योगदान देना होगा। जिन देशों में हफ्ते में चार दिन काम हो रहा है, उनकी पिछली पीढ़ियों ने काफी मेहनत की है और अब जाकर वे हफ्ते में चार दिन काम कर रहे हैं। जिंदल ने कहा कि मेरे पिता सप्ताह में 7 दिन रोजाना 12 से 14 घंटे काम करते थे। मैं हफ्ते में कम से कम छह दिन रोजाना 10 घंटे काम करता हूं और मैं अपने बेटे से यह उम्मीद नहीं करता हूं कि वह भी इतनी मेहनत करें। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज मंच वजीरएक्स के उपाध्यक्ष राजगोपाल मेनन ने मूर्ति के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि हम राष्ट्र-निर्माण के चरण पर हैं और भारत में कम उत्पादकता, भ्रष्टाचार की दिक्कत है। हमें बेहतर अफसरशाही और काम की बेहतर नीति की जरूरत है।

हरियाणा और मप्र में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की कीमत में एक बार फिर उछाल देखने को मिला है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 85.16 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 90.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। हालांकि, क्रूड की इस तेजी का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतें 96.36 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है, जबकि मध्य प्रदेश में पेट्रोल 0.27 पैसे की गिरावट के साथ 109.70 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं हरियाणा में पेट्रोल 0.37 पैसे सस्ता होकर 97.66 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

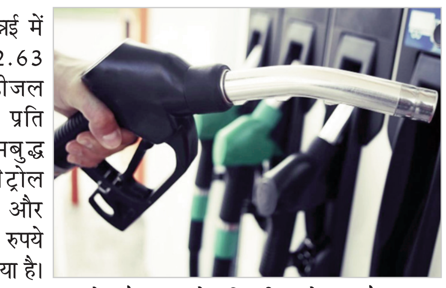

गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मुनाफा 27 फीसदी बढ़ा

- पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 27.4 फीसदी बढ़ा था

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल में गिरावट की वजह से रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम रहा और मार्जिन पर भी थोड़ा असर पड़ा है। हालांकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 27.4 फीसदी बढ़कर 17,394 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 13,656 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। विश्लेषकों ने 18,463 करोड़ रुपये मुनाफे का अनुमान लगाया था। रिलायंस ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कच्चे तेल के दाम में 14 फीसदी की कमी आई थी, जिसकी वजह से मुनाफे पर थोड़ा असर पड़ा है। वित्त वर्ष 2024 की जुलाई-सितंबर में रिलायंस की परिचालन आय महज 1.1 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वित्त वर्षकी समान तिमाही में करीब 2.29 लाख करोड़ रुपये रही थी।

30 सितंबर को समाप्त तिमाही तक रिलायंस इंडस्ट्रीज पर कुल बकाया कर्ज 2.96 लाख करोड़ रुपये था। दूसरी ओर कंपनी के पास कुल नकद और जमा 1.78 लाख करोड़ रुपये था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिटेल इकाई रिलायंस रिटेल का मुनाफा वित्त वर्ष 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 21 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय सालाना आधार पर 19.5 फीसदी बढ़कर 68,937 करोड़ रुपये रही। जुलाई-सितंबर तिमाही में रिलायंस रिटेल ने 471 नए स्टोर खोले, जिससे देश भर में उसके कुल स्टोरों की संख्या बढ़कर 18,650 हो गई है। इस दौरान रिलायंस रिटेल की कुल आय में उसके डिजिटल कॉमर्स और नए कॉमर्स कारोबार की हिस्सेदारी बढ़कर 19 फीसदी हो गई। सितंबर तिमाही में रिलायंस रिटेल ने वैश्विक निवेशकों से 100 अरब डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन पर 15,314 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में लाभ करीब 12 फीसदी बढ़कर 5,297 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 4,729 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।

ओपनएआई की प्रतिद्वंद्वी कंपनी एंथ्रोपिक में दो अरब डॉलर का निवेश करेगी गूगलः रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

एआई की बढ़ती रेस के बीच गूगल कथित तौर पर एआई स्टार्टअप कंपनी एंथ्रोपिक में दो अरब डॉलर का निवेश कर रही है, जिसकी स्थापना माइक्रोसॉफ्ट समर्थित ओपनएआई के पूर्व सदस्यों ने की थी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, फंडिंग डील में अभी 50 करोड़ डॉलर और बाद में 150 करोड़ डॉलर तक का निवेश शामिल है। गूगल ने अभी तक इस पर टिप्पणी नहीं की है। गूगल ने अप्रैल में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी लेते हुए कंपनी में 30 करोड़ डॉलर का निवेश किया था। सितंबर में, अमेज़ॅन ने कहा कि वह कंपनी में अल्पमत स्वामित्व स्थिति के साथ एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक में 400 करोड़ डॉलर तक का निवेश करेगी, क्योंकि ओपनएआई के चैटजीपीटी द्वारा शासित बढ़ते जेनरेटिव एआई बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। एंथ्रोपिक क्लॉड 2 का डेवलपर है, जो ओपनएआई के चैटजीपीटी का प्रतिद्वंद्वी चैटबॉट है। क्लॉड 2 ने जीआरई पढ़ने और लिखने की परीक्षा में और इसी तरह मात्रात्मक तर्क में 90वें प्रतिशत से ऊपर स्कोर किए। एंथ्रोपिक उन चार कंपनियों में से एक थी, जिन्हें अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट और ओपनएआई के साथ अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ जिम्मेदार एआई विकास पर चर्चा करने के लिए व्हाइट हाउस में एक बैठक में आमंत्रित किया गया था। एंथ्रोपिक अपने भविष्य के फाउंडेशन मॉडल के निर्माण, प्रशिक्षण और तैनाती के लिए अमेज़ॅन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ट्रेनियम और इनफेरेंटिया चिप्स का उपयोग करेगा, जो एडब्ल्यूएस की कीमत, प्रदर्शन, पैमाने और सुरक्षा से लाभान्वित होगा। जुलाई 2023 तक, एंथ्रोपिक ने 150 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई थी। एंथ्रोपिक की स्थापना 2021 में ओपनएआई के पूर्व वरिष्ठ सदस्यों, मुख्य रूप से डेनिएला अमोदेई और डारियो अमोदेई द्वारा की गई थी, जिनमें से डारियो ने ओपनएआई के अनुसंधान के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

आज जीत का सिक्सर लगाने अंग्रेजों के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

-विराट कर सकते हैं सचिन तेंदुलकर की बराबरी

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व कप में अब तक विजयरथ पर सवार भारतीय टीम रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ जीत का छक्का लगाने उतरेगी। वहीं गत विजेता को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारत के खिलाफ आज के मैच को हर हाल में जीतना होगा। 2019 के चैंपियन इंग्लैंड के लिए मौजूदा विश्व कप का सफर अब तक बेहद निराशाजनक रहा है, इसके बाद इंग्लैंड की कोशिश भारत के खिलाफ जीत हासिल कर टूर्नामेंट में बने रहने की होगी। हालांकि इसके लिए उन्हें कप्तान रोहित शर्मा और शानदार फार्म में चल रहे विराट कोहली पर काबू पाना होगा। इंग्लैंड के खिलाफ विराट का प्रदर्शन अब तक औसत रहा है, लेकिन बदले हालात में विराट को रोकना गोरे गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। वहीं विराट मैच में शतक लगाकर अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर की बराबरी कर सकते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम की पिच अब तक बल्लेबाजों के लिए मददगार साबित हुई है, इसके बाद इस पिच पर रनों का अंबार लगने की पूरी संभावना है।

पिछले मुकाबले में भारत की जीत में अहम भूमिका अदा करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और इंग्लैंड के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रखने वाले रविचंद्रन अश्विन के अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी खेल प्रेमियों की नजर रहेगी। इसके अलावा स्थानीय खिलाड़ी कुलदीप यादव घरेलू दर्शकों की मौजूदगी में भारत के लिए तुरूप का इक्का साबित हो सकते हैं। सिक्सर किंग रोहित शर्मा विश्वकप में विरोधी टीमों के लिये सिरदर्द साबित हुए हैं।

आक्रामक बल्लेबाजी कर गेंदबाजों पर दवाब बनाने की उनकी रणनीति अब तक कारगार साबित हुई है, इसकारण मध्यक्रम के बल्लेबाजों को बेखौफ होकर खेलने का मौका मिल रहा है। हालांकि इस विश्व कप में भारतीय मध्य क्रम की असली परीक्षा होनी अभी बाकी है। रोहित एंड कंपनी को अच्छी तरह पता है कि लगातार हार के बावजूद इंग्लैंड कभी भी वापसी कर सकता है, इसकारण गोरों को हल्के में लेने की भूल नहीं करना चाहती हैं।

इंग्लैंड का प्रदर्शन उनके बल्लेबाज रूट की बल्लेबाजी पर निर्भर करेगा। भारतीय उपमहाद्वीप की धीमी पिचों पर इस अंग्रेज बल्लेबाज का रिकार्ड अहम रहा है। इकाना स्टेडियम की बात करें तो यहां लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम की सफलता का प्रतिशत कहीं ज्यादा है, इसके बाद अब तक रन चेज करने में सफल रही भारतीय टीम अगर टॉस जीतती है तो उसका चयन एक बार फिर पहले क्षेत्ररक्षण का होगा। वैसे भी शाम के समय इस मैदान पर ओस की भूमिका अहम रहने वाली है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड = जॉनी बेयरस्टो, डेविड मालन, जो रूट, बेन स्टोक्स, हैरी ब्रुक, जोस बटलर (कप्तान/विकेटकीपर), मोइन अली, क्रिस वोक्स, डेविड विली, आदिल राशिद, मार्क वुड शामिल है।

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 111 पदक जीतकर इतिहास रचा

हांगझोउ (एजेंसी)। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने शनिवार को इतिहास रचकर हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में अपने अभियान का अंत 111 पदक जीतकर किया जो किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय बहु खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य जीते। इससे पहले 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक हुए हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 107 पदक जीते थे।

भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। चीन ने 521 पदक (214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य) जीते जबकि ईरान ने 44 स्वर्ण, 46 रजत और 41 कांस्य अपने नाम किए। जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर रहा। पहले पैरा एशियाई खेल 2010 में ग्वांग्झू में हुए थे जिसमें भारत 14 पदक जीतकर 15वें स्थान पर रहा था। इसके बाद 2014 में भारत 15वें और 2018 में नौवे स्थान पर रहा। भारत ने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार 100 से अधिक (101) पदक जीते थे।

भारतीय पैरालम्पिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा, 'हमने इतिहास रच दिया। हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है। अब पेरिस पैरालम्पिक में तोक्यो से अधिक पदक जीतेंगे।' उन्होंने कहा, 'हम इस प्रदर्शन से हैरान नहीं है। हमें 110 से 115 के बीच पदक मिलने की उम्मीद थी और 111 शुभ आंकड़ा है।'

भारतीय खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 55 पदक एथलेटिक्स में पाये जबकि बैडमिंटन खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण समेत 21 पदक जीते। शतरंज में आठ और तीरंदाजी में सात पदक मिले जबकि निशानेबाजों ने छह पदक जीते। आखिरी दिन शनिवार को भारत ने चार स्वर्ण समेत 12 पदक जीते। इनमें से सात पदक शतरंज में, चार एथलेटिक्स में और एक नौकायन में मिला।

पुरूषों की भालाफेंक एफ55 स्पर्धा में नीरज यादव ने 33.69 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टेक चंद को कांस्य पदक मिला। पुरूषों की 400 मीटर टी47 दौड़ में दिलीप महादु गावियोत को स्वर्ण पदक मिला। वहीं महिलाओं की 1500 मीटर टी20 दौड़ में पूजा ने कांस्य पदक हासिल किया। शतरंज में पुरूषों के व्यक्तिगत रैपिड वी1बी1 वर्ग में सतीश दर्पण ने स्वर्ण, प्रधान कुमार सौंदर्या ने रजत और अश्विनभाई मकवाना ने कांस्य पदक जीता। तीनों ने टीम वर्ग का स्वर्ण भी भारत की झोली में डाला।

किशन गंगोली ने पुरूषों की व्यक्तिगत रैपिड वी1 बी2 बी3 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। गंगोली, सोमेंद्र ओर आर्यन जोशी ने टीम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। महिला रैपिड वर्ग में वृत्ति जैन, हिमांशी राठी और संस्कृति मोरे को कांस्य पदक मिला। नौकायन में पीआर3 मिश्रित डबल स्कल में अनिता और के नारायणा ने रजत पदक जीता।

29वें मैच में 18 हजार रन का आंकड़ा पूरा करके रोहित शर्मा बनाएंगे नया रिकार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप 2023 के 29वें मैच में 18 हजार रन का आंकड़ा पूरा करके एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। इसक साथ ही वह अपने नाम 2 नए रिकॉर्ड भी दर्ज कर सकते हैं। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड की टीमें रविवार 29 अक्टूबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में आमने सामने होंगी। मौजूदा विश्व कप में रोहित बतौर कप्तान और बल्लेबाज शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड को पराजित कर विश्व कप में जीत का सिक्सर लगाना चाहेगी। टीम इंडिया की लगातार 5 जीत में कप्तान रोहित का अहम रोल रहा है। भारतीय टीम इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर लेगी। रोहित शर्मा इस मैच में 18000 इंटरनेशनल रन पूरे कर सकते हैं। उन्हें इस आंकड़े पर पहुंचने के लिए केवल 47 रन की जरूरत है। गौरतलब है कि 36 साल के रोहित 456 इंटरनेशन मैचों में 43.36 की औसत से अभी तक 17963 रन जोड़ चुके हैं। उन्होंने 52 टेस्ट में 3677 रन बनाए हैं वहीं 256 वनडे में उनके नाम 10423 रन दर्ज हैं। 148 टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा अब तक 3853 रन जोड़ चुके हैं। इसके साथ ही रोहित के पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के क्लब में पहुंचने का सुनहरा मौका मिल सकता है। भारत की ओर से अभी तक 4 बल्लेबाज ने 18 हजार या इससे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाए हैं। रोहित मौजूदा विश्व कप के 5 मैचों में 311 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 1 शतक और 1 अर्धशतक निकला है।

ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत, धर्मशाला में न्यूजीलैंड को 5 रन से हराया

धर्मशाला (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने धर्मशाला के मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला गया हाई स्कोरिंग मैच 5 रन से जीतने में सफलता हासिल की है। तेज पिच पर दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने खूब रन बनाए लेकिन आखिरकार जीत ऑस्ट्रेलिया के पाले में जा गिरी। मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओपनर डेविड वार्नर 81 और ट्रेविस हेड 107 रन की बदौलत तेजतर्रार शुरूआत की थी। मध्यक्रम में मैक्सवेल ने 41, जोश ने 38 तो कप्तान पैट कमिंस ने 37 रन बनाकर टीम को 388 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी कीवी टीम की ओर से रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाकर न्यूजीलैंड को अच्छी स्थिति में पहुंचाया लेकिन उनके आऊट होते ही सारी जिम्मेदारी जिम्मी नीशम पर आ गई। नीशम ने बड़े शॉट लगाए और दर्शकों का मनोरंजन किया लेकिन आखिरी ओवर में उनका विकेट गिरते ही न्यूजीलैंड लक्ष्य से दूर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार शुरूआत की और पहले विकेट के लिए डेविड वार्नर तथा ट्रेविस हेड के बीच 175 रन की साझेदारी हुई। यह साझेदारी वार्नर की विकेट के साथ समाप्त हुई जो 19.1 ओवर में ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर उन्हीं को आसान कैच थमा बैठे। इसके बाद वार्नर खुद भी खराब शॉट के कारण मलाल में थे। वार्नर ने 65 गेंदों पर 5 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। ट्रेविस हेड 23.2 ओवर में फिलिप्स की गेंद पर बोल्ड हुए। हेड ने 67 गेंदों पर 109 रन बनाए जिसमें 10 चौके और 7 छक्के शामिल थे।

स्मिथ एक बार फिर फेल साबित हुए और 17 गेंदों पर 18 रन ही बना सके। वह भी फिलिप्स का शिकार बने और 29.4 ओवर में बोल्ट को कैच थमा बैठे। यह फिलिप्स का तीसरा बड़ा विकेट था। मिशेल मार्श 36.3 ओवर में सेंटनर के हाथों बोल्ड हुए। उन्होंने 51 गेंदों पर 36 रन बनाए जिसमें 2 चौके शामिल थे। मार्नस लाबुशाने (26 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) 38.1 ओवर में सेंटनर का दूसरा शिकार बने और रचिन से हाथों कैच आउट हो गए। मैक्सवेल ने 24 गेंदों पर 41 रन की प्रभावशाली पारी खेली जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे। लेकिन अर्धशतक नहीं लगा पाए और 44.3 ओवर में नीशम की गेंद पर बोल्ट के हाथों कैच आउट हो गए।

लक्ष्मण हो सकते हैं भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है। अब तक मिले संकेतों के अनुसार द्रविड़ अपने अनुबंध को बढ़ाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। ऐसे में भारतीय टीम का नया कोच कौन होगा ये सवाल उठ रहा है। इसके लिए रेस में पूर्व बल्लेबाज वी वी एस लक्ष्मण सबसे आगे हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादम (एनसीए) के प्रमुख लक्ष्मण को अगले कोच की जिम्मेदारी मिलने की अधिक संभावनाएं हैं। इसका कारण ये है कि द्रविड़ ने जब भी ब्रेक लिया है, तो लक्ष्मण को ही हमेशा प्रभार मिला है। विश्व कप के तुरंत बाद होने वाली सीरीज में भी ऐसा ही जारी रहने की उम्मीद है। अगर नए कोच के लिए आवेदन मंगवाए जाते हैं, तो लक्ष्मण काफी मजबूत दावेदार होंगे क्योंकि बीसीसीआई ने एक मॉडल तैयार बनाया है, जहां एनसीए के हेड और सारी व्यवस्था की जानकारी रखने वाले व्यक्ति को इसके लिए तैयार किया जाता है। ऐसे में लक्ष्मण सबसे फिट नजर आते हैं। वहीं द्रविड़ टी20 लीग में कोच के रुप में वापसी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को छोड़कर सभी को आराम दिया जा सकता है। सूर्या को टीम की कमान मिल सकती है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 टीम में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है, जो वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के अलावा एशियन खेलों की टीम का हिस्सा थे। इस सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को ब्रेक दिए जाने की संभावना है, जिससे कि वे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए तरोताजा हो सकें।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अश्विन को शामिल करें : हरभजन

जोहोर बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले विश्वकप मुकाबले में अनुभवी स्पिनर आर अश्विन को अवसर दिया जाना चाहिये। अश्विन ने वर्तमान टूर्नामेंट में अब तक एक ही मैच खेला है। हरभजन ने कहा, कुलदीप यादव अच्छे फॉर्म में हैं पर क्या अगले मैच में तीन स्पिनरों को अवसर मिलेगा, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा और आर अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ शामिल किया जा सकता है क्योंकि अब तक के मुकबलों में इंग्लैंड के बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं दिखे हैं। ऐसे में लखनऊ में भी स्पिन की सहायक पिच मिलती है, तो इंग्लैंड की परेशानी बढ़ जाएगी। हरभजन ने कहा कि यदि अश्विन को टीम में जगह मिलती है, तो मोहम्मद सिराज को आराम दिया जा सकता है क्योंकि वे लगातार 5 मैच में उतर चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लिए थे।

हरभजन ने कहा कि यदि पिच सामान्य रहती है और यहां अधिक टर्न नहीं रहता है, तो टीम में बदलाव की उम्मीद कम है पर लखनऊ में धीमी पिच मिलने की उम्मीद है। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में भारतीय स्पिनरों रिकॉर्ड को देखें, तो बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा विकेट लेने के मामले में सबसे आगे रहे हैं। उन्होंने अब तक 25 मैच में 25 की औसत से 38 विकेट लिए हैं। वहीं ऑफ स्पिनर अश्विन ने 23 एकदिवसीय में 28 की औसत से 35 विकेट लिए हैं जबकि कुलदीप यादव ने 6 मैच में 10 विकेट झटके हैं।

पीठ में दर्द के बावजूद पंजाब की वेटलिफ्टर हरजिंदर ने जीता गोल्ड मेडल

पणजी । पंजाब की हरजिंदर कौर काफी समय से पीठ दर्द से जूझ रही हैं लेकिन इसके बावजूद वह 37वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं के 71 किग्रा वेटलिफ्टिंग वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही।

हरजिंदर ने स्नैच में 88 किग्रा और क्लीन एंड जर्क वर्ग में 113 किग्रा के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कुल 201 किग्रा वजन उठाया। महाराष्ट्र की तृप्ति माने (190 किग्रा) और मणिपुर की पी उमेश्वोरी देवी (189 किग्रा) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि यह पदक मुझे एक (नौकरी या प्रायोजन) दिलाएगा। पटियाला जिले के नाभा गांव में किसान परिवार में जन्मी हरजिंदर ने 2016 में भारोत्तोलन में उतरने से पहले एथलेटिक्स और कबड्डी में अपना हाथ आजमाया था। उसे लगा कि 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक से उसे नौकरी मिलने की संभावना बढ़ सकती है। लेकिन वैसा नहीं हुआ। इस साल की शुरुआत में, हरजिंदर ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीनियर महिलाओं के 71 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता और अब उन्होंने अपनी ट्रॉफी कैबिनेट में राष्ट्रीय खेलों का स्वर्ण भी शामिल कर लिया है। हरजिंदर ने कहा कि वह अपने परिवार के सहयोग की बदौलत यहां तक पहुंची हैं लेकिन नहीं जानती कि वह कब तक ऐसा जारी रख पाएंगी।

बिना हाथों वाली गोल्ड मेडलिस्ट, प्रेरणादायक है तीरंदाज शीतल देवी की कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीरंदाजी एक ऐसा खेल है जिसमें कौशल, सटीकता, दूरदर्शिता, एकाग्रता और अच्छे नियंत्रण की आवश्यकता होती है। जम्मू और कश्मीर राज्य की 16 वर्षीय तीरंदाज शीतल देवी के पास ये सभी चीजें हैं लेकिन हाथ नहीं हैं और फिर भी उन्होंने हांग्जो में एशियाई पैरा गेम्स 2023 में शीर्ष (गोल्ड) पुरस्कार जीता है। वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों वाली पहली महिला तीरंदाज' हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उन्हें स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी हैं।

फोकोमेलिया से पीड़ित हैं शीतल

फोकोमेलिया एक दुर्लभ जन्मजात विकार है जिसके कारण अंग विकसित नहीं होते। शीतल ने सभी बाधाओं को पार करते हुए अपने पैरों पर खड़ी होकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। खेल की शासी निकाय - विश्व तीरंदाजी के अनुसार जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ के लोइधर गांव की रहने वाली शीतल 'अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली बिना हाथों वाली पहली महिला तीरंदाज' हैं।

एक स्वर्ण सहित जीते तीन पदक

इस सप्ताह एशियाई पैरा खेलों में उन्होंने अलग-अलग श्रेणियों में एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते। पहले महिला कंपाउंड में रजत पदक जीतने के बाद शीतल ने मिश्रित युगल और महिला व्यक्तिगत वर्ग में दो पदक जीते। शुक्रवार (27 अक्टूबर) को शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड फाइनल में सिंगापुर की अलीम नूर सयाहिदा को हराकर पिछले दो राउंड में लगातार छह दस रिंग लगाकर स्वर्ण पदक जीता।

ये पदक सिर्फ मेरे नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं : शीतल

शीतल ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं धनुष ठीक से उठा भी नहीं पाती थी। लेकिन कुछ महीनों तक अभ्यास करने के बाद यह आसान हो गया। मेरे माता-पिता को हमेशा मुझ पर भरोसा था। गांव में मेरे दोस्तों ने भी मेरा साथ दिया। एकमात्र चीज जो मुझे पसंद नहीं आई वह थी लोगों के चेहरे का भाव जब उन्हें एहसास हुआ कि मेरे हाथ नहीं हैं। ये पदक साबित करते हैं कि मैं खास हूं। ये पदक सिर्फ मेरे नहीं, बल्कि पूरे देश के हैं।'

स्वर्ण पदक जीतने के अलावा शीतल ने सरिता के साथ जोड़ी बनाकर महिला टीम में रजत और राकेश कुमार के साथ मिश्रित टीम में स्वर्ण भी जीता। ये उपलब्धियां उस व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी लगती हैं जिसने कुछ साल पहले ही तीरंदाजी को एक खेल के रूप में चुना था।

दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व गेंदबाज दानिश कनेरिया ने टीम पर धर्मांतरण को लेकर दबाव बनाने का खुलासा किया है। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसकी वजह से वह इन दिनों काफी चर्चा में है। कुछ दिन पहले उन्होंने यह बताया था कि पाकिस्तान टीम में रहते हुए उन्हें धर्मांतरण के लिए परेशान किया जाता था। अब उन्होंने पकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दानिश ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि अगर शाहिद अफरीदी ने अपनी बेटी के साथ ऐसा किया है तो सोचो उन्होंने मेरे साथ क्या किया होगा। दानिश ने अपने ट्विटर अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें शाहिद अफरीदी एक इंटरव्यू में दिखाई दे रहे हैं। इंटरव्यू में पूछा कि आपने कितनी दफा टीवी तोड़ा है। अफरीदी ने कहा मैं एक दफा टीवी तोड़ चुका हूं। मैं बेगम से हमेशा कहता था कि टीवी अकेले में देखा करो। बच्चों को ना बिठाया करो। मैं एक दिन घर पर गया तो मेरी बेटी स्टार प्लस देख रही थी। हाथ में थाली लेके, आरती जैसा कुछ टीवी में चल रहा था। मेरी बेटी भी टीवी के सामने ऐसे ही कर रही थी। मैंने फिर टीवी में एक हाथ मारा और टीवी तोड़ दिया। दानिश कनेरिया ने इसी वीडियो के जरिए अफरीदी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने ट्विटर पर वीडियो के कैप्शन में लिखा, शाहिद अफरीदी ने टीवी तोड़ दिया क्योंकि उसकी बेटी पूजा कर रही थी। आप सोच सकते हो कि वो जब इस तरह की चीजें अपनी बेटी के साथ कर सकते हैं तो उन्होंने मेरे साथ कैसा व्यवहार किया होगा। कुछ दिन पहले दानिश ने एक वीडियो के जरिए बताया था कि पाकिस्तान टीम में रहते हुए उन्हें धर्मांतरण के लिए काफी परेशान किया गया गया था। उन्होंने लिखा था कि ड्रेसिंग रूम से लेकर प्लेग्राउंड, डाइनिंग टेबल तक मुझे धर्मांतरण के लिए कहा गया था। बता दें कि दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान के लिए अब तक कुल 61 टेस्ट और 18 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने क्रमशः 261 और 15 विकेट लिए हैं। दानिश ने टेस्ट में 2 बार 10 विकेट लेने का कारनामा किया है।

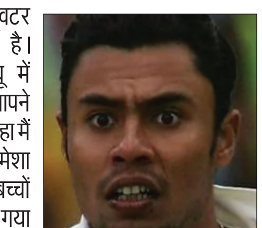

अगले 3 मैच हम पाकिस्तान के लिए खेलेंगे : बाबर आजम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि वह अगले तीन मैच पाकिस्तान के लिए खेलेंगे। गौरतलब है कि क्रिकेट विश्व कप में पहले 2 मुकाबले जीतने वाली पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब लगातार 4 मुकाबले हारकर टूर्नामेंट से लगभग बाहर हो गई है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद अहम मुकाबला एक विकेट से गंवा दिया। मैच के दौरान पाक गेंदबाजों की दिशाहीन गेंदबाजी और अंपायरिंग पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। बहरहाल, मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने इस पर बात करते हुए कहा कि हम जीत के बेहद करीब थे लेकिन हमारा अंत अच्छा नहीं रहा। पूरी टीम के लिए बेहद निराशाजनक क्षण है। हमने उनका बहुत अच्छी तरह से मुकाबला किया था। बाबर ने कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजी करते हुए हम 10-15 रन कम रह गए। बाबर ने कहा कि तेज गेंदबाजों और स्पिनरों ने अच्छा संघर्ष किया लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। यह खेल का हिस्सा है। डीआरएस भी खेल का हिस्सा है। अगर आऊट हो जाता तो इससे हमें फायदा होता। हमारे पास यह मैच जीतने और दौड़ में बने रहने का अवसर होता लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हम अगले 3 मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और पाकिस्तान के लिए खेलेंगे। देखते हैं उसके बाद हम कहां खड़े होंगे।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए बाबर आजम और सऊद शकील के अर्धशतकों की बदौलत 270 रन बनाए थे। पाक ओपनर शकीफ 9 और इमाम उल हक 12 के आऊट होने के बाद रिजवान 31 ने सहयोग किया। मध्यक्रम में शादाब खान ने 36 गेंदों पर 43 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी 4 तो मार्को जेन्सन 3, जेराड 2 विकेट लेने में सफल रहे। जवाब में खेलने उतरी साऊथ अफ्रीका की टीम 1 विकेट से जीत दर्ज करने में सफल रही। हालांकि दक्षिण अफ्रीका ने 250 रन पर ही आठ विकेट गंवा लिए थे लेकिन पुछल्ले बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिला दी। तबरेज शम्सी ने दक्षिण अफ्रीका के लिए विजयी चौका लगाया। विश्व कप में पाक का सफर देखें तो नीदरलैंड से 81 रन से जीते, जबकि श्रीलंका से 6 विकेट से जीते। इसके बाद भारत से 7 विकेट से हारे तथा ऑस्ट्रेलिया से 62 रन से हारे। वहीं अफगानिस्तान से 8 विकेट से तथा दक्षिण अफ्रीका से 1 विकेट से हारे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छुक-छुक करती आई रेल...

राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में कई तरह के इंजन, शाही सैलून, क्रेन, वैगन, बेंच आदि हैं। यहां देश भर से सैलानी आते हैं। इस संग्रहालय में भारत की पहली रेल का मॉडल और इंजन भी है। इसका निर्माण ब्रिटिश वास्तुकार एमजी सेटो ने 1957 में किया था। इसके अलावा पैलेस ऑन व्हील्स, विश्व का सबसे भारी और शक्तिशाली स्टीम लोकोमोटिव, भारत का पहला लोकोमोटिव इंजन आदि यहां दर्शनीय हैं।

दोस्तों,
रेलगाड़ी भारत में कब शुरू हुई, पहले किस तरह की ट्रेन होती थी, उन्हें कैसे चलाया जाता था? अगर इस तरह के सवाल तुम्हारे दिमाग में हैं तो तुम दक्षिणी दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय घूमने जाओ। यहां तुम भारतीय रेल के 150 साल के इतिहास की झलक देख सकते हो। 1 फरवरी 1977 को शुरू हुआ ये संग्रहालय बहुत बड़ा है और इसमें एक गैलरी है, जहां कई तरह के रेल के मॉडल, रिकॉर्ड, तस्वीरें, रेलों में इस्तेमाल होने वाली दुर्लभ क्रॉकरी, 100 वास्तविक आकार में प्रदर्शित दस्तावेज आदि हैं, जो तुम्हें भारतीय रेलवे के इतिहास के हर पहलू से वाकिफ कराएंगे। यहां कई तरह के इंजन, शाही सैलून, क्रेन, वैगन, बेंच हैं। यही कारण है कि यहां देश भर से सैलानी आते हैं। राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के निदेशक अतुल सिंह कहते हैं कि ये ऐसा अनूठा संग्रहालय है, जहां एक ही छत के नीचे इतिहास, विरासत और मनोरंजन का संग्रह मिलता है। दिल्ली में मॉल कल्चर आने के बावजूद भी जहां लोगों का मोन्यूमेंट्स और म्यूजियम्स की तरफ झुकाव कम हुआ है, वहीं रेल संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों में कोई कमी नहीं आई है। रेल संग्रहालय में प्रतिमाह लगभग 25,000 पर्यटक आते हैं। यहां स्कूलों के बच्चों को पिकनिक मनाने की सुविधा है, साथ ही नि:शुल्क फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। यहां के गैलरी-संग्रहालय में एक ऐसी गैलरी है, जहां इंजन और क्रेन के क्रियाशील मॉडल, कोच के पुराने मॉडल, पुराने रेल टिकटों का संग्रह, समय सारणी चिह्न, राज्य रेल चिह्न, पुरानी रेलों में इस्तेमाल किए जाने वाले अद्भुत आईने, फर्नीचर, घड़ियां, क्रॉकरी, पानी का मटका, ट्रैक गैलरी, पुराने प्रतीक और दूरसंचार के साधन जैसे टेलीफोन और फैक्स मशीनें, आकर्षक मल्टीमीडिया और बहुत सी ऐसी दिलचस्प चीजे हैं, जो भारतीय रेल विरासत के प्रति लोगों में जोश और उत्साह पैदा करती हैं। इस संग्रहालय में भारत की पहली रेल का मॉडल और इंजन भी है।

इसका निर्माण ब्रिटिश वास्तुकार एमजी सेटो ने 1957 में किया था। इसके अलावा पैलेस ऑन व्हील्स, विश्व का सबसे भारी और शक्तिशाली स्टीम लोकोमोटिव, भारत का पहला लोकोमोटिव इंजन आदि दर्शनीय हैं।

कुछ खास रेल मॉडल

फेयरी क्वीन – 1855 में इंग्लैंड में बना ये विश्व का सबसे प्राचीन कार्यशील भाप इंजन है। फेयरी क्वीन का नाम गिनीज रिकॉर्ड में भी दर्ज है। ये हर साल नवम्बर से फरवरी तक दिल्ली से अलवर के बीच चलती है। इसे भारतीय प्रधानमंत्री से राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार प्राप्त है।

मोनो रेल – ये पटियाला के महाराजा के घूमने के लिए थी। 1907 में इसे बर्लिन और जर्मनी के ऑरेंस्टेन और कोप्पल ने बनाया। इसमें इस्तेमाल दुनिया में अपनी ही तरह का अकेला कार्यशील भाप इंजन है। रविवार के दिन या पहले बुकिंग करने पर ही बाकी के दिनों में इसकी सवारी की जा सकती है।

सैलून – भव्य साज-सज्जा के साथ इस शाही सैलून को 1899 में बनाया गया था। यह कोच ब्रॉड और मीटर गेज दोनों पर दौड़ सकता है। ये शाही कोच महाराजा ऑफ मैसूर, महाराजा गायकवाड़ ऑफ बड़ौदा, वाइस रीगल डायनिंग कार और प्रिंस ऑफ वेल्स के लिए चला। इस सैलून को भीतर से देखने के लिए 50 रुपए का टिकट है।

टॉय ट्रेन की सैर

संग्रहालय में एक टॉय ट्रेन भी चलती है, जिसमें बैठकर पूरे म्यूजियम का चक्कर लगाया जा सकता है। ये टॉय ट्रेन बच्चों को खासी पसंद है। इसके लिए अलग से शुल्क लगता है। बड़ों के लिए 10 रुपए और बच्चों के लिए 5 रुपए का टिकट है।

सोविनियर शॉप

यहां सोविनियर शॉप भी है, जिसमें विभिन्न वस्तुएं मिलती हैं। रेल मॉडल, रेल लोगो वाली टी-शर्ट, शील्ड, स्केल मॉडल, पोस्टकार्ड, किताब, की-रिंग, रेल पजल्स, रेलों के लोगो वाले मग तुम यहां से यादगार के तौर पर खरीद कर ले जा सकते हो। हाल में संग्रहालय ने स्ट्रॉबेरी, रेसिन और बटरस्कॉच तीन फ्लेवर में चॉकलेट भी आकर्षक पैकेजिंग के साथ उपलब्ध कराई है।

ये ध्यान रखना...

संग्रहालय देखने के लिए तुम मम्मी-पापा और दोस्तों के साथ जा सकते हो। लेकिन यहां घूमते हुए तुम किसी चीज को कोई नुकसान मत पहुंचाना। पुरानी रेलगाड़ियों को छूकर देख सकते हो, पर उन पर कोई गंदी चीज मत फेंकना। खाने के खाली पैकेटों को गार्डन में फेंकने की बजाय डस्टबीन का प्रयोग करना। अगर कोई खास जानकारी चाहिए तो वहां मौजूद स्टाफ से पूछ सकते हो। लेकिन शोर-शराबा अधिक मत करना और टॉय ट्रेन में घूमना मत भूलना।

संग्रहालय देखने का समय

अप्रैल से सितम्बर – सुबह 9.30 से शाम 7.30 तक
अक्टूबर से मार्च – सुबह 9.30 से शाम 5.30 तक
प्रवेश शुल्क – वयस्कों के लिए 20 रुपए
बच्चों के लिए 10 रुपए, 3-12 वर्ष तक।

मानव को सिर्फ मादा मच्छर ही क्यों काटती है?

मच्छरों के काटने से तो सब परेशान रहते हैं और मच्छरों पर आपको उस वक्त गुस्सा भी बहुत आता होगा। गौरतलब है कि इंसानों को नर मच्छर नहीं बल्कि सिर्फ मादा मच्छर ही काटती है और वही हमारे कानों के आसपास भिनभिनाती भी है। परंतु यह जिज्ञासा का विषय है कि आखिर मादा मच्छर ही क्यों काटती है? क्या मादा मच्छर को मनुष्यों का रक्त इतना स्वादिष्ट लगता है या फिर वे मानव के रक्त पर ही निर्भर रहती हैं?

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं है बल्कि नर मच्छर की ही तरह मादा के मुख्य पौष्टिक आहार का स्रोत भी फलों

का रस ही होता है किन्तु जब मादा मच्छर का अंडे देने का समय करीब आता है तो उसे अपने अंडों को विटामिन्स की पूर्ति करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। चूंकि रक्त में काफी मात्रा में विटामिन होते हैं इसलिए मादा मच्छर गर्भावस्था में विटामिन्स की पूर्ति के लिए रक्त पर निर्भर रहती है। एक बार रक्त चूसकर वह उसे सुरक्षित रखती है और अंडों का एक ही समूह उत्पन्न करती है। इस प्रकार वह जब भी कभी रक्त चूसती है तो अंडों का एक समूह उत्पन्न करती है। नर मच्छर का जीवनकाल सिर्फ 8-9 दिन का होता है जबकि मादा मच्छर का जीवनकाल करीब एक महीने का होता है।

एकता का दर्शन करवाते हैं अफ्रीकन जंगली कुत्ते

अफ्रीका के बोत्स्वाना में पाए जाने वाले कोयले जैसे काले और कद-काठी में भालुओं जैसे दिखने वाले अफ्रीकन जंगली कुत्ते बहुत खतरनाक सर्वभक्षी जीव हैं जो जंगल में प्राय: बड़े-बड़े झुंडों में विचरते हैं। एक झुंड में 20-25 जंगली कुत्ते शामिल होते हैं। इनकी विशेषता यह है कि ये जीवनभर झुंड में रहकर इकट्ठे ही शिकार करते हैं और फिर आपस में मिल-बांट कर भोजन का आनंद लेते हैं। चूंकि इनके झुंड में एकता का अजीब दर्शन देखने को मिलता है इसलिए ये दूसरे जानवरों के झुंडों के हमलों का भी बड़ी आसानी से मुकाबला करने में सक्षम होते हैं और यही वजह है कि शेर, चीता, बाघ जैसे खतरनाक हमलावर भी इनके झुंड पर हमला करने का साहस नहीं जुटा पाते।

50 किलोमीटर प्रतिघंटा से भी अधिक तेज रफ्तार से दौड़ने में सक्षम ये जंगली कुत्ते हिरणों की एक खास प्रजाति 'इम्पाला' के तो सबसे बड़े दुश्मन होते हैं। ये कुत्ते इम्पाला हिरण दिखाई पड़ने पर उसे किसी भी सूरत में जीवित नहीं छोड़ते और पकड़ में आते ही झुंड के सारे कुत्ते उसे नोच-नोच कर खा जाते हैं। अफ्रीकन जंगली कुतिया साल में एक ही बार प्रजनन करती है और एक बार में 3 से 10 पिल्लों को जन्म देती है। इन कुत्तों के प्राकृतिक आवास स्थलों के खत्म होते जाने और इनकी जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के उपाय अपनाने के कारण पिछले कुछ समय में इनकी संख्या काफी कम हो गई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छात्रा से दुष्कर्म के जुर्म में भारतीय शख्स को 12 कोड़े सहित 16 साल की जेल

सिंगापुर सिटी। दुष्कर्म के जुर्म में सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय शख्स को 12 कोड़े मारने स?हित 16 साल की जेल की सजा सुनाई है। ?मिली जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय भारतीय नागरिक को 2019 में एक छात्रा से दुष्कर्म के आरोप सिद्ध होने पर 16 साल की जेल और 12 कोड़े मारने की सजा सुनाई है। इसमें अदालत ने अपहरण और चोरी के आरोपों को भी ध्यान में रखकर सजा सुनाई। जानकारी के मुताबिक, सफाईकर्मी चित्रिया ने विश्वविद्यालय की एक छात्रा का तब पीछा किया था, जब वह देर रात को एक बस अड्डे की ओर जा रही थी और फिर उस पर वार कर उसे एक जंगल की ओर घसीटकर ले गया था तथा उसके साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता के चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर इतनी बुरी तरह से चोटें आई थीं कि तब उसका प्रेमी भी अस्पताल में उसे पहचान नहीं पाया था। यह घटना चार मई 2019 को हुई थी। हालांकि अदालत को इस मामले की सुनवाई में चार साल का वक्त लगा, क्योंकि मनोरोगी चित्रिया का इस दौरान इलाज किया जा रहा था। उप लोक अभियोजक (डीपीपी) कायल पिल्लै ने बताया कि दुष्कर्म करने के बाद चित्रिया पीड़िता का सामान भी अपने साथ ले गया था। पीड़िता को किसी तरह अपना मोबाइल फोन मिल गया था, जिसके बाद उसने अपने प्रेमी को फोन किया और पुलिस को इसकी सूचना देने को कहा। उस समय पुलिस ने छात्रा को अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोपी चित्रिया को पांच मई 2019 को गिरफ्तार कर उस पर मुकदमा दायर किया गया था।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के खिलाफ विशाल रैली की योजना

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल की नेता व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ रैली निकालने की तैयारी हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार उनसे इस्तीफा देने और अगले साल के आम चुनाव की निगरानी के लिए गैर-पक्षपातपूर्ण कार्यवाहक सरकार को सत्ता का हस्तांतरण करने की मांग को लेकर शनिवार को एक विशाल रैली निकाली जा रही है। इधर सत्तारूढ़ आवामी लीग पार्टी ने चेतावनी दी है कि हिंसा पैदा करने की किसी भी कोशिश से बलपूर्वक निपटा जाएगा और वह विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के मुख्यालय के पास शांति रैली करेगी, जहां पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के समर्थकों के एकजुट होने की योजना है। इसे लेकर विपक्ष ने कहा कि वह पीएम शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए अंतिम प्रयास कर रहा है, क्योंकि निर्वाचन आयोग की देश के 12वें आम चुनाव की तारीख घोषित करने की तैयारी है, जो जनवरी में कभी भी हो सकते हैं। बता दें कि बांग्लादेश में चुनाव से पहले राजनीतिक तनाव बहुत ज्यादा है। क्योंकि शेख हसीना और जिया के बीच शत्रुता दशकों से चली आ रही है। हसीना सरकार महीनों से दबाव में आकर काम कर रही है, क्योंकि विपक्ष ने बड़े पैमाने पर शांतिपूर्ण सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरु कर दिए हैं।

विस्फोट में मृतक संख्या बढ़कर हुई चार

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पुलिस जिला 18 में गुरुवार शाम हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दश्त-ए-बारची बाजार में हुए विस्फोट के तुरंत बाद शुरू में मरने वालों की संख्या दो बताई गई थी ?जिसकी संख्या बढ़कर 4 हो गई। ?पिछले दो सप्ताह में दश्त-ए-बारची में यह दूसरा विस्फोट है। इससे पहले दश्त-ए-बारची के एक बाजार की पार्किंग में हुए विस्फोट में तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गईं थीं।दश्त-ए-बारची में शिया समुदाय की एक बड़ी आबादी रहती है, काबुल में सबसे अधिक हमले वाले क्षेत्रों में से एक रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री ने देश में बच्चे पैदा नहीं होने पर चिंता जताई

रोम। इटली में पिछले तीन माह में एक भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया है। यह अपने आप में वर्ल्ड रिकॉर्ड है, लेकिन इटली के लिए यह चिंता का विषय भी है। इसे इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी नेशनल एमरजेंसी के तौर पर देखती हैं और चिंता व्यक्त करती हैं। इटली की जन्मदर को लेकर जारी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2022 की अपेक्षा साल 2023 में जन्मदर में कमी आई है। नेशनल स्टैटिक्स ब्यूरो आईएसटीएटी के आंकणे बतलाते हैं कि इटली में जनवरी 2023 से जून 2023 तक जितने बच्चों ने जन्म लिया उनकी तुलना में जनवरी 2022 से जून 2022 के बीच जन्में बच्चों की तुलना से 3500 कम हैं। इटली के लिए यह मामला कितना गंभीर हो चला है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इसे नेशनल इमरजेंसी की तरह देखा है। चुनाव के दौरान भी उन्होंने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था।

रिपोर्ट्स की मानें तो बच्चों के जन्म नहीं लेने का मुख्य कारण देश में प्रजनन योग्य 15 से 49 साल उम्र वाली महिलाओं की कमी है। इस कारण बच्चे के जन्म नहीं लेने को समस्या माना जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की संख्या साल 2021 के मुकाबले 2023 में ज्यादा कम हुई है।

बूढ़ी होती दुनिया

रिपोर्ट्स बतलाती है कि दुनिया तेजी से बूढ़ी हो रही है। उदाहरण के तौर पर चीन और जापान जैसे देशों का उदाहरण दिया जाता है। अब यदि इटली में बच्चे जन्म नहीं लेते हैं तो यह भी इसी सूची में शामिल हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इटली में बीते तीन माह में एक भी बच्चे का जन्म नहीं लेना बहुत बड़ी समस्या को जन्म देने जैसा है। इसलिए इटली की प्रधानमंत्री इसे नेशनल इमरजेंसी के तौर पर देखती हैं।

कजाकिस्तान में खदान में आग लगने से कम से कम 32 लोगों की मौत, 18 लापता

अस्ताना। आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि कजाकिस्तान में एक खदान में आग लगने से कम से कम 32 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग लापता हैं। लक्ज़मबर्ग स्थित स्टील निर्माता की स्थानीय इकाई, ऑपरेटर आर्सेलरमित्तल टेमिरटाउ ने कहा कि मीथेन विस्फोट के बाद कोस्टेंको खदान में 252 में से 206 लोगों को निकाला गया था, जबकि 18 लोगों ने चिकित्सा सहायता मांगी थी। कज़ाख राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और 29 अक्टूबर को राष्ट्रीय शोक दिवस की घोषणा की। उन्होंने अपने मंत्रिमंडल को आर्सेलरमित्तल तेमिरताउ के साथ निवेश सहयोग बंद करने का भी आदेश दिया, जबकि सरकार और कंपनी ने कहा कि वे एक सौदे को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रहे थे। देश की सबसे बड़ी स्टील मिल संचालित करने वाली कंपनी का राष्ट्रीयकरण करना। आर्सेलरमित्तल भी पुष्टि कर सकता है, जैसा कि कजाकिस्तान सरकार द्वारा आज पहले बताया गया था, कि दोनों पक्ष आर्सेलरमित्तल तेमिरताउ के भविष्य के संबंध में चर्चा कर रहे हैं और हाल ही में एक लेनदेन के लिए प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जो कजाकिस्तान गणराज्य को स्वामित्व हस्तांतरित करेगा। इसमें कहा गया है कि आर्सेलरमित्तल इस लेनदेन को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि व्यवधान को यथासंभव कम से कम किया जा सके।

मेट्रो में हिजाब न पहनने पर ईरान में लड़की पर अटैक, मौत के बाद भड़का लोगों का गुस्सा

तेहरान के मेट्रो में एक रहस्यमय घटना में कुछ हफ़्ते पहले सिर पर स्कार्फ न पहनने के कारण घायल हुई एक ईरानी किशोरी लड़की की मौत हो गई है। अर्मिता गेरावंद की मौत तेहरान में कई हफ्तों तक कोमा में रहने के बाद और महसा अमिनी की मौत की एक साल की सालगिरह और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के बाद हुई है।1 अक्टूबर को गेरवांड की चोट और अब उसकी मौत से गुस्से के फिर से भड़कने का खतरा है। खासकर जब तेहरान और अन्य जगहों पर महिलाएं अभी भी ईरान के अनिवार्य हेडस्कार्फ़, या हिजाब, कानून को ईरान की धर्मतंत्र के प्रति उनके असंतोष के संकेत के रूप में अवहेलना करती हैं। ईरान की सरकारी आईआरएनए समाचार एजेंसी ने हेडस्कार्फ़ कानून को लेकर व्यापक अशांति पर ध्यान दिए बिना, गेरावंड की मौत की सूचना दी।

अस्पतालों को अटैक बेस के रूप में इस्तेमाल कर रहा हमास: नेतन्याहू

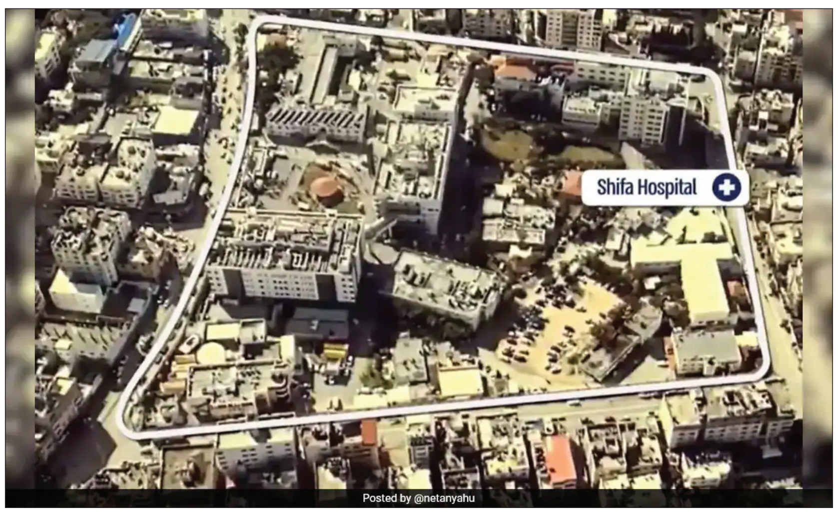

तेल अवीव/गाजा (एजेंसी)। इज़राइल ने फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास पर सैन्य उद्देश्यों के लिए गाजा पट्टी में अस्पतालों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया है। इज़रायली सेना ने कहा कि हमास अस्पताल को अपनी सुरंगों और परिचालन केंद्रों के लिए ढाल के रूप में उपयोग कर रहा है। इज़राइल के मुख्य सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमास ने अस्पतालों को कमांड और नियंत्रण केंद्रों और हमास के आतंकवादियों और कमांडरों के लिए ठिकाने में बदल दिया है। हगारी ने कहा कि हमास गाजा के तहत व्यापक सुरंग नेटवर्क में अपने कमांड पोस्ट और प्रवेश बिंदुओं को छिपाने के लिए अस्पताल प्रणाली का उपयोग कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से गाजा के सबसे बड़े अल-शिफा अस्पताल की पहचान की, जहां से हमास के आतंकवादी काम कर रहे थे। हागारी ने कहा कि हमास ने अस्पतालों को हमास के आतंकवादियों और कमांडरों के लिए कमांड और कंट्रोल सेंटर और ठिकाने में बदल दिया है। इसके अलावा, मैं पुष्टि कर सकता हूं कि हमारे पास जो खुफिया जानकारी है, उसके अनुसार गाजा के अस्पतालों में ईंधन है। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकवादी शिफा अस्पताल और गाजा के अन्य अस्पतालों के अंदर और नीचे काम करते हैं। इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया। नेतन्याहू ने ट्वीट करते हुए कहा कि हमास-आईएसआईएस बीमार है। वे अपने आतंक के लिए अस्पतालों को मुख्यालय में बदल देते हैं। हमने अभी इसे साबित करने वाली खुफिया जानकारी जारी की है। शेयर किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे आतंकवादी समूह ने जमीन के ऊपर और नीचे दोनों से अपने सैन्य अभियानों के लिए शिफा अस्पताल को आश्रय के रूप में इस्तेमाल किया।

हमास ने आरोपों को खारिज किया

फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूह ने इज़राइल के आरोपों पर पलटवार किया और कहा कि दावे निराधार हैं। हमास राजनीतिक ब्यूरो के एक वरिष्ठ सदस्य इज़्ज़त अल-रिश्क ने कहा कि दुश्मन सेना के प्रवक्ता ने जो कहा है उसमें सच्चाई का कोई आधार नहीं है। उन्होंने इज़राइल पर 'हमारे लोगों के खिलाफ एक नए नरसंहार का मार्ग प्रशस्त करने' के लिए आरोप लगाने का आरोप लगाया।

बंद करो ये पागलपन, गाजा हमलों पर तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन की इजरायल को नसीहत

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इज़राइल से 'इस पागलपन को तुरंत रोकने' और गाजा में लक्ष्यों पर अपने हमलों को समाप्त करने का आह्वान किया क्योंकि इजरायली बलों ने फिलिस्तीनी क्षेत्र पर हमले तेज कर दिए हैं। इज़राइल ने एक विस्तारित जमीनी अभियान की घोषणा की क्योंकि इसने संचार व्यवस्था को ठप्प कर दिया और गाजा पट्टी में सूचनाओं का लगभग ब्लैकआउट कर दिया। रेसेप तैयप एर्दोगन ने एक्स पर लिखा कि गाजा पर इजरायली बमबारी कल रात तेज हो गई और एक बार फिर महिलाओं, बच्चों और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया और चल रहे मानवीय संकट को और खराब कर दिया गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा ति इज़राइल को तुरंत इस पागलपन को रोकना चाहिए और अपने हमलों को ख़त्म करना चाहिए।' यह तब हुआ है जब हमास ने 7 अक्टूबर को सीमा पार कर 1,400 लोगों, मुख्य रूप से नागरिकों को मार डाला था और 229 बंधकों को ले लिया था, उसके बाद से इज़राइल जमीनी आक्रमण की तैयारी कर रहा है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, क्षेत्र पर जवाबी इजरायली हमलों में 7,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। रेसेप तईप एर्दोगन ने भी इस्तांबुल में फिलिस्तीनियों के समर्थन में एक रैली के लिए भारी भीड़ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हम जोर से और स्पष्ट रूप से घोषणा करेंगे कि हम इजरायल के उत्पीड़न के खिलाफ फिलिस्तीनी लोगों के साथ खड़े हैं।

गाजा में शुरू हो गया इजरायल का ग्राउंड ऑपरेशन? एयर स्ट्राइक के हेड कमांडर को किया ढेर

तेल अवीव/गाजा (एजेंसी)। इज़रायली सेना ने कहा कि वह गाजा में अपने जमीनी अभियानों का विस्तार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पट्टी के उत्तरी भाग में किए गए छापों की तुलना में घुसपैठ बड़ी और महत्वपूर्ण थी। दूसरी ओर, हमास ने दावा किया कि गाजा में उसके लड़ाके इजरायल के हमलों का पूरी ताकत से जवाब देंगे। अलजेब्रा की खबर के अनुसार कल रात हजारों इजरायली सैनिकों ने गाजा में धावा बोल दिया। जमीनी आक्रमण शुरू होता है। हमास के हवाई बलों के प्रमुख, अत्साम अबू रफ़ा का सफाया कर दिया गया। कल रात से न बिजली, न संचार लाइन और न इंटरनेट के कारण पूर्ण ब्लैकआउट है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि वह गाजा में कर्मचारियों से संपर्क करने में भी असमर्थ है।

ऑनलाइन समाचार आउटलेट Visegrad24 द्वारा ट्वीट किए गए एक वीडियो में इजरायली टैंकों को गाजा की ओर गोलीबारी करते हुए दिखाया गया है और एक जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने इज़रायली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी के हवाले से कहा गया कि पिछले कुछ दिनों में किए गए हमलों के अलावा, जमीनी सेना आज रात अपने अभियान का विस्तार कर रही है। युद्ध के बीच, गाजा में इंटरनेट और फोन सेवाएं बंद हो गईं। इज़राइल ने क्षेत्र में अपने सैन्य अभियान बढ़ा दिए थे। द टाइम्स ऑफ इज़राइल के अनुसार, ब्लैकआउट के कारण 2.3 मिलियन लोग बाहरी दुनिया और एक-दूसरे से कट गए हैं।

दो इजरायली अधिकारियों ने एक्सियोस को बताया कि गाजा में अपने जमीनी हमले का विस्तार करने का निर्णय इजरायली युद्ध कैबिनेट द्वारा गुरुवार रात को किया गया था, जब हमास द्वारा बंधक बनाए गए बंधकों की संभावित रिहाई पर कोई सफलता नहीं मिली थी। हगारी ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमान हमास द्वारा खोदी गई सुरंगों और अन्य बुनियादी ढांचे पर हमले कर रहे थे। उन्होंने फ़िलिस्तीनियों से दक्षिणी गाजा की ओर बढ़ने का अपना आह्वान भी दोहराया क्योंकि इज़राइल ने तटीय क्षेत्र के उत्तरी हिस्से में अपना आक्रामक दायरा बढ़ा दिया है। हमास की सशस्त्र शाखा ने कहा कि उसके लड़ाके गाजा के उत्तरपूर्वी शहर बेत हनून और अल-बुरीज के मध्य क्षेत्र में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष कर रहे थे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में जंग रोकने के लिए प्रस्ताव पेश, भारत ने वोटिंग से क्यों बनाई दूरी?

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र महासभा के विशेष सत्र में गाजा में मानवीय आधार पर संघर्ष विराम के लिए पेश प्रस्ताव भारी बहुमत से पास हो गया। प्रस्ताव के पक्ष में 120 वोट पड़े, जबकि विरोध में सिर्फ 14 वोट पड़े। भारत, ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी समेत 45 देशों ने मतदान से खुद को अलग कर लिया। प्रस्ताव में इजरायल और हमास के बीच मानवीय आधार पर तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया गया है। साथ ही बिना किसी रुकावट के गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचाने की अपील भी की है। इसमें पानी, बिजली और वस्तुओं के वितरण को फिर से शुरू करना शामिल है। भारत गाजा में मानवीय संघर्ष विराम के लिए जॉर्डन द्वारा शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से दूर रहा।

भारत ने बनाई दूरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गाजा में युद्धविराम से जुड़े एक प्रस्ताव को

मंजूरी दे दी। ये प्रस्ताव जॉर्डन समेत अरब देशों की तरफ से पेश किया गया था। जिसे भारी बहुमत से अपनाया गया। इस प्रस्ताव पर भारत का वोटिंग में भाग न लेने की वजह पर विदेशी मामलों के जानकारों का कहना है कि बीते 10 सालों से भारत सरकार की कूटनीति आतंकवाद के खिलाफ रही है। अंतरराष्ट्रीय मंचों से भी भारत के बयान ने उसके इस रुख की पुष्टि की है। इजरायल हमास संघर्ष शुरू होने के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान भारत के पीएम मोदी ने कहा था कि हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ हैं।

हमास हमलों से सतर्क हुआ भारत, अपनी सीमाओं पर ड्रोन के साथ निगरानी प्रणाली स्थापित करने में जुटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल में हमास जैसे अचानक हमलों से बचने के लिए भारत अपनी सीमाओं पर ड्रोन के साथ एक निगरानी प्रणाली स्थापित कर रहा है। दरअसल रक्षा अधिकारियों ने पिछले हफ्ते निगरानी और टोही ड्रोन के छह घरेलू विक्रेताओं से मुलाकात कर अगले महीने जल्द ही एक आदेश की घोषणा होने की उम्मीद है, मामले से जुड़े अधिकारी ने कहा क्योंकि जानकारी सार्वजनिक नहीं है। लोगों ने कहा कि सेना इस प्रणाली को मई की शुरुआत में सीमा के कुछ हिस्सों में चालू करने पर विचार कर रही है।

सीमाओं पर हर समय निगरानी रखने का कदम तब उठाया गया है, जब पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान के साथ खासकर हिमालय पर तनाव बना हुआ है। जबकि यूक्रेन में युद्ध ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को अपने शस्त्रागार, युद्ध की तैयारियों और युद्ध के मैदान पर प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने पर मजबूर कर दिया है, आश्चर्यजनक हमास के हमले ने देश को कुछ सुझाए गए उपायों को शीघ्रता से लागू करने के लिए प्रेरित किया है। भारत अतीत में अचानक हुए हमलों का शिकार हुआ है। 2008 में, हमलावर हथियारों और हथगोले से लैस पाकिस्तान के हमलावरों ने समुद्र के रास्ते मुंबई में घुसपैठ की और तीन दिनों तक शहर के प्रमुख स्थलों की घेराबंदी की, जिसमें 166 लोग मारे गए।

भारत ने आरोप लगाया है कि उसकी पश्चिमी सीमा के पार हथियारों और दवाओं को ले जाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि इस प्रणाली को सीमाओं के पूरे हिस्से को कवर करने में लगभग 18 महीने लग सकते हैं। इतना ही नहीं इसकी लागत सालाना 500 मिलियन डॉलर तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि तथाकथित हाई-एल्टीट्यूड छद्म उपग्रह, जो सौर ऊर्जा से चलने वाले ड्रोन हैं जो बिना लैंडिंग के लंबे समय तक काम कर सकते हैं, का उपयोग सिस्टम के लिए किया जाएगा।

शांति कार्यकर्ताओं की हत्या से शांति आंदोलन हुआ ध्वस्त, हिंसा का दायरा बढ़ा

गाजा (एजेंसी)। हमास द्वारा किए गए आतंकवादी हमले के मद्देनजर इजराइल में शांति आंदोलन और कब्जे विरोधी अभियानों के भविष्य पर गहरी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे है। यहां 7 अक्टूबर से पहले ही शांति प्रयासों के लिए जगह कम हो रही थी, लेकिन हिंसक हमलों ने और दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़ितों में से कई किबुतज़मि के सदस्य थे, जो इज़राइल के दक्षिण में आवासीय समूह हैं, जो शांति पहल और फ़लस्तीनी अधिकारों का समर्थन करते हैं और कुछ हाई-प्रोफाइल कार्यकर्ता और सामुदायिक कार्यकर्ता थे। इन समूहों में शांति कार्यकर्ताओं के साथ-साथ कब्जा-विरोधी आंदोलनों में शामिल लोग हैं जो इजरायल को कब्जे वाले फ़लस्तीनी क्षेत्रों से हटने के लिए कहते हैं, जो अक्सर एक साथ काम करते हैं। जो लोग लापता हैं उनमें से एक कनाडाई-इजरायल कार्यकर्ता विवियन सिल्वर हैं, जो इजरायली जमीनी स्तर के शांति आंदोलन वूमेन वेज पीस के संस्थापक सदस्य हैं। बता दें कि 7 अक्टूबर के बाद, वेस्ट बैंक पर इज़राइल के कब्जे का विरोध करने वाले कई वामपंथी संगठनों के बोर्ड सदस्य डोरिट राबिनियन ने मीडिया को बताया कि मुझे पता है कि यह मेरे लिए अच्छा नहीं है, दूसरी तरफ पीड़ा है, लेकिन दूसरे पक्ष ने बंधक बना लिया और इतने हिंसक तरीके से कत्लेआम किया कि मेरी करुणा किसी तरह से पंगु हो गई है।

इजरायली वामपंथियों की ओर से भी अब सुरक्षा के आधार पर सैन्य प्रतिशोध की मांग आ रही है। इन नुकसानों ने न केवल शांति आंदोलन को हिलाकर रख दिया है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या इसका कोई भविष्य है। उन्होंने कहा कि मैंने पिछले 10 वर्षों से इस क्षेत्र में शांति और शांति आंदोलनों पर शोध का काम किया है और अभी इज़राइल और फ़लस्तीन से लौटा हूँ। अपनी यात्राओं के दौरान मैंने वेस्ट बैंक पर कब्जे के खिलाफ इज़राइल में कई इज़राइली-फ़लस्तीनी संयुक्त सड़क विरोध प्रदर्शन देखे हैं। मैंने फ़लस्तीनी-इज़राइली संयुक्त कार्यक्रम भी देखे, जैसे कि वार्षिक स्मारक समारोह जो संघर्ष के इज़रायली और फ़लस्तीनी पीड़ितों की याद दिलाता है। मेरे हालिया फील्डवर्क में फ़लस्तीनी और इजरायली शांति और कब्जा-विरोधी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत शामिल थी।

उन्होंने यह भी कहा कि जहां लोग शांति की उम्मीद कर रहे हैं और उसके लिए काम कर रहे हैं, वहीं शांति शब्द का अब शायद ही कभी उल्लेख किया जाता है। जैसा कि एक इजरायली कार्यकर्ता येल ने कहा- इजरायलियों ने शांति की कल्पना करने की क्षमता खो दी है। जैसा कि इज़रायली कब्ज़ा-विरोधी कार्यकर्ता, नोआम ने शेख जर्राह के करीब फ़लस्तीनी पूर्वी येरुशलम में फ़लस्तीनियों को बेदखल करने के खिलाफ साप्ताहिक विरोध प्रदर्शन के दौरान मुझसे कहा कि मुझे लगता है कि लोग शांति की तुलना में कब्जे को खत्म करने के बारे में अधिक बात कर रहे हैं। इसी तरह 30 साल की एक फ़लस्तीनी कार्यकर्ता ने बताया कि युवा लोगों के लिए शांति के बारे में बात करना कठिन है। यहां नफरत का स्तर बहुत ऊंचा है, और ऐसा इसलिए है क्योंकि युवा पीढ़ी ने वह नहीं देखा जो हमारी पीढ़ी ने देखा। हम कल्पना करते हैं क्योंकि हमने इसे पहले और दूसरे इंतिफादा की सभी व्यस्तताओं के साथ जीया है। फिर भी लोगों में एक देश की आस थी।

कतर में इजरायल के लिए जासूसी कर रहे थे भारत के 8 पूर्व नेवी अफसर? फांसी की सजा से ऐसे बचाएगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में भारत की कूटनीतिक चुनौतियाँ लगातार बढ़ती जा रही हैं। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच संतुलन साधने के बाद अब फोकस कतर पर केंद्रित हो गया है। यह मामला नई दिल्ली के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि इसमें आठ पूर्व नौसेना के अफसर शामिल हैं, जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई है। यह फैसला भारत सरकार के लिए एक झटका था, जिसने कहा है कि वो सभी कानूनी विकल्प तलाशेगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि नई दिल्ली पूरे मामले को लेकर क्या करेगी? क्या भारतीय नौसेना के पूर्व कर्मियों को फांसी से बचाया जा सकता है? आगे क्या होने की संभावना है।

भारतीय नौसेना के दिग्गज दोहा में क्या कर रहे थे?

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को 30 अगस्त 2022 को दोहा में कतर के राज्य सुरक्षा ब्यूरो, देश की जासूसी एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के लिए काम किया, जो एक रक्षा सेवा प्रदाता कंपनी है, जिसका स्वामित्व एक ओमानी नागरिक, रॉयल ओमानी वायु सेना के सेवानिवृत्त स्क्वाड्रन लीडर खामिस अल-अजमी के पास है। उन्हें भी पिछले साल गिरफ्तार किया गया था लेकिन नवंबर 2022 में रिहा कर दिया गया था। नौसेना के दिग्गज, जो अपनी व्यक्तिगत क्षमता में काम कर रहे थे, कथित तौर पर कतरी अमीरी नौसेना बल (क्यूईएनएफ) में इतालवी यू212 स्टील्थ पनडुब्बियों को शामिल करने की देखरेख कर रहे थे। अक्टूबर 2022 में गिरफ्तारी की रिपोर्ट सामने आने के बाद डहरा ग्लोबल की वेबसाइट को हटा दिया गया है। इसने कतरी नौसैनिक बल को प्रशिक्षण, रसद और रखरखाव सेवाएं प्रदान करने का दावा किया। हालाँकि, फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अब कंपनी की एक नई वेबसाइट है और इसमें क्यूईएनएफ से इसके कनेक्शन का उल्लेख नहीं है।

आठ भारतीयों पर क्या आरोप हैं?

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और नाविक रागेश के रूप में हुई है। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने 20 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा की और बल में प्रशिक्षकों सहित महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। कथित तौर पर दिग्गजों को अघोषित आरोपों पर गिरफ्तार किया गया और एकान्त कारावास में डाल दिया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें जासूसी के लिए पकड़ा गया था। आठ भारतीयों पर इजरायल के लिए जासूसी करने का आरोप लगाया गया था। हालाँकि, वे अपनी सज़ा के ख़िलाफ़ अपील कर सकेंगे।

भारत सरकार ने क्या कार्रवाई की?

इन लोगों को पिछले साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था लेकिन भारतीय दूतावास को उनकी गिरफ्तारी के बारे में कुछ हफ्ते बाद ही सूचित किया गया था। 1 अक्टूबर 2022 को कतर में भारत के राजदूत और मिशन के उप प्रमुख ने पूर्व नौसेना अधिकारियों से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय (एमईए) स्थिति पर नजर रख रहा है और गिरफ्तार लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की है। इस मामले को विभिन्न राजनयिक और राजनीतिक स्तरों पर उठाया गया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नवंबर में फीफा विश्व कप के उद्घाटन के लिए दोहा का दौरा किया, जिससे उम्मीद जगी कि वह अधिकारियों के मुद्दे का समाधान करेंगे। हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई। दिसंबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में कहा कि आठ पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारियों की हिरासत एक बहुत ही संवेदनशील मामला है और सांसदों को आश्वासन दिया कि हमारे दिमाग में उनके हित सर्वोपरि हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब सरकार ने दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल के लिए पटाखे चलाने का समय तय किया

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल पर बहुत कम समय के लिए केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों के उपयोग की अनुमति देगी. दिवाली में रात 8 बजे से रात 10 बजे तक, गुरुपर्व पर सुबह 4 बजे से सुबह 5 बजे तक और रात 9 बजे से रात 10 बजे तक, क्रिसमस की पूर्व संध्या रात 11 :55 बजे से 12 :30 बजे तक और नए साल की पूर्व संध्या पर रात 11 :55 बजे से 12 :30 बजे तक केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखे फोड़े जा सकते हैं. पंजाब में पटाखों की ऑनलाइन बिक्री पर रोक है और किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार करने के लिए ई–कॉमर्स वेबसाइटों पर प्रतिबंध लागू है. पंजाब के पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने लोगों से सामुदायिक रूप से पटाखे चलाने को प्रोत्साहित करने की अपील की. पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल , पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के विभिन्न दिशा–निर्देशों के मुताबिक राज्य सरकार कम प्रदूषण करने वाले पटाखों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है. उन्होंने कहा कि दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या का त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है. जिसके दौरान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विभाग केवल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों की अनुमति देगा. जिनमें बेरियम सॉल्ट या कंपाउंड्स ऑफ एंटीमनी, लिथियम, पारा, आर्सेनिक, सीसा या स्ट्रोंटियम क्रोमेट के यौगिकों का उपयोग नहीं किया जाता है. पर्यावरण मंत्री गुरमीत सिंह ने कहा कि राज्य में लड़ी पटाखों को बनाने, स्टॉक, डिस्ट्रीब्यूशन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. उन्होंने कहा कि यह भी निर्देश दिया गया है कि मंजूरी हासिल पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंसशुदा व्यापारियों के जरिये ही की जाएगी. मीत हेयर ने कहा कि फ्लिपकार्ट, अमेजन सहित दूसरी कोई भी ई–कॉमर्स वेबसाइट पंजाब राज्य के भीतर किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार नहीं करेगी और ऑनलाइन बिक्री पर रोक के आदेश को प्रभावित नहीं करेगी. पंजाब के पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को राज्य के चयनित शहरों में कम समय के दौरान निगरानी करने का निर्देश दिया गया है. उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी और तय जगहों पर मंजूरी हासिल कम प्रदूषण करने वाले पटाखों की बिक्री और उपयोग को सुनिश्चित करेंगे. इसके बारे में दिशा–निर्देशों के किसी भी उल्लंघन पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. मीत हेयर ने आम जनता से संबंधित अधिकारियों द्वारा पहले से तय किए गए इलाकों में सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने को प्रोत्साहित करने की भी अपील की.

लोकसभा समिति ने महुआ मोइत्रा से दो नवंबर को पेश होने को कहा

नई दिल्ली। लोकसभा की आचार समिति ने 'पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने' से जुड़े आरोपों के मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा से 31 अक्टूबर के बजाय दो नवंबर को उसके सामने पेश होने को कहा है। समिति ने स्पष्ट किया है कि इसके बाद इस तिथि को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। मोइत्रा ने शुक्रवार को लोकसभा की आचार समिति के प्रमुख विनोद कुमार सोनकर को पत्र लिखकर कहा था कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य निशिकांत दुबे द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए 'पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने' के आरोपों के मामले में अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते समिति के समक्ष 31 अक्टूबर को उपस्थित नहीं हो पाएंगी। उन्होंने कहा था कि वह पांच नवंबर के बाद ही पेश हो सकेंगी। समिति ने कहा कि वह इसके बाद तारीख और आगे बढ़ाने के उनके किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं करेगी। इस मामले के संदर्भ में बृहस्पतिवार को वकील जय अनंत देहाद्रई और दुबे ने मोइत्रा के खिलाफ आचार समिति को 'मौखिक साक्ष्य' सौंपे थे। मोइत्रा ने कहा था कि दुबे और देहाद्रई द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए झूठे, दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक आरोपों के खिलाफ खुद का बचाव करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाना चाहिए और मामले की निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए।'

रेप, लूट और डकैती में नंबर–1 हैं मुस्लिम, एआईयूडीएफ सांसद बदरुद्दीन अजमल ने क्यों कहा ऐसा?

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि मुसलमानों में अपराध दर अधिक है। अजमल ने हाल ही में कहा कि हम (मुसलमान) डकैती, डकैती, बलात्कार, लूट जैसे सभी अपराधों में नंबर 1 हैं। जेल जाने में भी हम नंबर 1 हैं। कुछ वर्गों की आलोचना के बावजूद, बदरुद्दीन अजमल मुसलमानों के बीच उच्च अपराध दर के अपने रुख पर कायम रहे। शुक्रवार को उन्होंने दोहराया कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं कहा है और कहा कि अपराध में शामिल होने की उच्च प्रवृत्ति सीधे तौर पर शिक्षा की कमी पर निर्भर करती है। इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाली एआईयूडीएफ असम में बंगाली भाषी मुसलमानों के बीच पकड़ रखती है। 126 सदस्यीय असम विधानसभा में एआईयूडीएफ के 15 विधायक हैं।

बदरुद्दीन अजमल अपराध के रुख पर दृढ़

बदरुद्दीन अजमल ने अपनी टिप्पणी को लेकर कहा कि मैंने दुनिया भर में मुस्लिम समुदाय में शिक्षा की कमी देखी है। मैंने कहा कि हमारे बच्चे स्कूल नहीं पढ़ते नहीं हैं, उच्च शिक्षा के लिए नहीं जाते हैं और मैट्रिक तक भी पूरी नहीं कर पाते हैं। युवाओं को शिक्षा की आवश्यकता समझाने के लिए, मैंने ऐसा कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कों और युवकों को पूछते हैं 'लड़कियों को देखते या उनके साथ बातचीत करते समय दुर्भावनापूर्ण इरादे नहीं रखने चाहिए। जो लड़के कहते हैं कि वे महिलाओं को देखकर मन उत्तेजित हो जाते हैं, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि इस्लाम कहता है कि व्यवहार करने का एक उचित तरीका है और जब हम बाजार या किसी सार्वजनिक स्थान पर जाते हैं और महिलाओं को देखते हैं, तो हमें दूसरी ओर देखना चाहिए।

मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 30 अक्टूबर को सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट जेल में बंद आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसौदिया की जमानत याचिका पर सोमवार को फैसला सुनाएगा। सिसौदिया पर वर्तमान में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा घोटालों से संबंधित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में मुकदमा चल रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री को कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मामलों और अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए विकास योजनाओं के लिए धन के आवंटन की सुविधा के लिए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह फरवरी से न्यायिक हिरासत में हैं। जस्टिस संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच सोमवार सुबह 10:30 बजे फैसला सुनाएगी। 17 अक्टूबर को मामले पर आखिरी सुनवाई के दौरान, केंद्र के खिलाफ सिसोदिया का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील डॉ अभिषेक मनु सिंघवी के साथ अंतिम बहस समाप्त हुई। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर अपना फैसला टाल दिया था। 5 अक्टूबर को पिछली सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत ने दिल्ली शराब नीति मामले की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों से कड़े सवाल पूछे थे, और उन सबूतों की मांग की थी जिनके बारे में वे दावा करते हैं कि उनके पास सिसोदिया के खिलाफ है।

पंजाब के मोगा में मॉब लिंचिंग का मामला, गुरुद्वारे से चोरी के आरोपी को भीड़ ने पीट–पीटकर मार डाला

चंडीगढ़। पंजाब के मोगा जिले में एक व्यक्ति को गुरुद्वारे से चोरी करने के आरोप में पीट–पीटकर मार डाला गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करम सिंह नाम के इस शख्स की करीब 10 दिन पहले हुए हमले के तुरंत बाद मौत हो गई। हालांकि, अब सामने आए वीडियो के बाद पुलिस ने हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। मोगा की स्थानीय पुलिस ने गुरुसर मादी गांव के निवासी करम सिंह की हत्या के आरोप में छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह घटना तब सामने आई जब उनके परिवार ने पुरुषों के एक समूह द्वारा उनकी पिटाई का वीडियो देखा। पुलिस ने कहा कि करम सिंह को 16 अक्टूबर को कुछ ग्रामीणों ने मोगा के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। उन्होंने अस्पताल को सूचित किया था कि गांव के एक गुरुद्वारे में चोरी के बाद भागते समय वह घायल हो गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

मप्र बड़े बदलाव के लिए तैयार, भारी बहुमत से आ रही है कांग्रेस: प्रियंका वाड्रा

– दमोह की चुनावी सभा में प्रियंका बोलीं– नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे होता है जनता का नुकसान

दमोह (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कई वर्षों से भाजपा की सरकार है, लेकिन क्या प्रदेश की जनता के जीवन में तरक्की हुई?

क्या रोज़गार मिले हैं ? क्या महंगाई घटी है? नहीं, तो भाजपा की सरकार जनता के लिए क्या कर रही है? देश और प्रदेश की सरकार बड़े-बड़े उद्योगपतियों के लिए चल रही है, उसमें मिडिल क्लास, गरीबों के लिए, किसानों के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश बड़े बदलाव के लिए तैयार है। 225 महीने के शासन में 250 घोटाले करने वाली भाजपा सरकार जा रही है। भारी बहुमत से कांग्रेस आ रही है।

प्रियंका शनिवार को मप्र के प्रवास के दौरान दमोह में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले भगवान वाल्मीकि जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने सभा में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज नेता धर्म की बातें करते हैं, काम की नहीं, इससे जनता का ही नुकसान होता है। कुछ हटके बोलना चाहती हूं। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। मनरेगा को कमजोर बना दिया। किसानों को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा कानून लाए, जिसका लाभ नहीं मिला। महंगाई बढ़ती जा रही है। आज हर चीज पर जीएसटी लगा दी।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी और जीएसटी लाकर छोटे दुकानदारों की कमर तोड़ दी। कोरोना में हमारे देश में किसी को राहत नहीं मिली, जबकि बाकी देशों में दुकानदारों को राहत दी गई। बच्चों की किताबें, यूनिफॉर्म, इलाज, सीमेंट हर चीज पर जीएसटी लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि हम कह रहे हैं कि जातिगत जनगणना करो। बिहार में जातिगत जनगणना की गई है। वहां 84 फीसदी जनता एससी, एसटी और ओबीसी है, लेकिन अगर आप नौकरियों में बड़े-बड़े पदों को देखेंगे तो इन समुदायों का प्रतिनिधित्व क्या है? आप पाएंगे कि उतना प्रतिनिधित्व नहीं है।

उन्होंने कहा कि ये लोग कहते हैं कि ओल्ड पेंशन और किसानों के कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं। एक तरफ बेरोजगारी है तो दूसरी ओर महंगाई। मनरेगा को कमजोर बना दिया गया है। पेट्रोल, डीजल, खाद महंगा कर किसानों की कमर तोड़ दी। इससे रोजगार के जरिए बंद हो गए। महंगाई बढ़ती चली गई। मध्यप्रदेश में रोजगार के मौके बेहद कम हैं, इसलिए यहां पलायन बहुत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले लाड़ली स्कीम क्यों? चुनाव के समय कह दिया कि लो लाड़ली स्कीम ले लो। कांग्रेस ने महिलाओं को आरक्षण दिया, इसलिए आज गांव-गांव में महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। जब तक आप नहीं जागेंगे, आप इस सरकार से सवाल नहीं पूछेंगे, तब तक कुछ नहीं बदलेगा।

उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को घेरते हुए कहा कि पिछले चुनाव की घोषणाएं इन्होंने पूरी कीं? 2018 में कहा था कि लाखों रोजगार देंगे? नेता समझ गया है कि चुनाव के समय खोखली घोषणाएं, जाति और धर्म की बात कर लो। नैया पार हो जाएगी, काम करने की जरूरत नहीं है। काम की बात नहीं करते, इसीलिए धर्म की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल में पुराना पेंशन मिल रहा है। इन प्रदेशों में महिलाओं को भी पैसे मिल रहे हैं। हम जो गारंटी दे रहे हैं, वो इन प्रदेशों में देख सकते हैं। कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार लड़ रही है।

सभा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड पैकेज का बुंदेलखंड में लाभ नहीं मिला। हमें बेरोजगारी दूर करने से पहले भाजपा के नेताओं को बेरोजगार बनाना है। यह मध्य प्रदेश के भविष्य का चुनाव है। शिवराज ने 22 हजार घोषणाएं की हैं। झूठ की मशीन डबल स्पीड से चल रही है।

सुकेश का उपराज्यपाल को खत, उन्हें, मां और वकील को जान से मरने की धमकियां मिल रही

नई दिल्ली। जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को एक और पत्र लिखकर आरोप लगाया कि उन्हें, उनके परिवार के सदस्यों और उनके वकील को पिछले दो माह से आप के प्रतिनिधियों, मुख्य रूप से सत्येन्द्र जैन और अरविंद केजरीवाल से लगातार धमकी मिल रही है। मंडोली जेल में बंद सुकेश ने कहा, यह मुझे, मेरी मां और मेरे वकील को पिछले दो महीने से आप के प्रतिनिधि, मुख्य रूप से श्री जैन और श्री केजरीवाल और कई अज्ञात व्यक्तियों और जेल के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार मिल रही धमकियों के संबंध में एक जरूरी शिकायत है। मुझे अपने जीवन के लिए गंभीर खतरे की आशंका है, क्योंकि मैंने केजरीवाल, जैन और उनके कुछ सहयोगियों के खिलाफ अदालत के साथ–साथ दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार प्राप्त समिति के समक्ष 164 के बयान दिए हैं। सुकेश ने आरोप लगाया, अब चूंकि मामले को जांच के लिए और सबूत सौंपने के लिए कहा गया है,मुझे ऐसा करने से रोकने और उनके खिलाफ दिए गए सभी बयानों को वापस लेने के लिए लगातार धमकियां दी जा रही हैं। ऐसा न करने पर अधिकारियों द्वारा मुझे जेल में मार दिया जाएगा/जहर दे दिया जाएगा क्योंकि जेल प्रशासन आप की दिल्ली सरकार के अधीन है। महाठग सुकेश ने कहा, मुझे पहले भी जेल अधिकारियों द्वारा लगातार धमकी दी गई थी, और फिर मेरे वकील अनंत मलिक को धमकी भरे फोन आए और उसके बाद मेरी मां को उन्हीं नंबरों से धमकी भरे संदेश मिले। उन्हें भी सत्येन्द्र जैन की पत्नी पूनम जैन के नंबर से कई कॉल आए। सुकेश ने दावा किया, मेरे वकील ने उन्हें प्राप्त धमकी भरे कॉल की वॉयस रिकॉर्डिंग सौंपी थी, जिसमें दावा किया गया था कि फोन करने वाला सीएम केजरीवाल और जैन का सहयोगी था। फोन करने वाले ने धमकी दी है कि अगर मैंने उनके साथ सहयोग नहीं किया, तब अधिकारियों द्वारा मुझे जेल में मार दिया जाएगा। मेरे वकील ने इसकी शिकायत दिल्ली के पुलिस आयुक्त और केंद्रीय गृह मंत्री के कार्यालय से भी की थी। सुकेश ने अपने पत्र में कहा, महाशय, मैं विनम्रतापूर्वक शिकायत का तत्काल संज्ञान लेने और इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अनुरोध कर रहा हूं जो केजरीवाल और सत्येन्द्र जैन के निर्देश पर लगातार धमकियां भेज रहे हैं क्योंकि वे तथा उनके सहयोगी उन्हें और उनके साथ 2014 से म?रे वित्तीय संबंधों को बेनकाब करने से मुझे रोकने के लिए किसी भी स्तर तक गिर सकते हैं। मुझे आप नेताओं से बहुत गंभीर हमले की आशंका है।

अमृतकाल में अपार अवसरों का लाभ उठाएं, राष्ट्रनिर्माण में भी दें योगदान: अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर का 14वां दीक्षांत समारोह शनिवार को संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में संस्थान के 1265 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं।

इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि आज का यह दिन उनके (विद्यार्थियों) परिश्रम और समर्पण का प्रतिफल है और अपनी सफलता को सेलिब्रेट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का भारत तेजी से बुलंदियों को छू रहा है तथा विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत के लिए अमृतकाल के अगले 25 वर्ष बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। इसमें युवाओं के लिए अपार अवसर हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन अवसरों का लाभ उठाकर आगे बढ़ें और राष्ट्रनिर्माण में भी अपना हरसंभव योगदान दें।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के प्रतिभाशाली युवाओं ने अमेरिका तथा अन्य विकसित देशों में अपनी प्रतिभा का डंका बजाया है और विश्व की कई टॉप कंपनियों के शीर्ष पदों पर पहुंचे हैं। अगर हमारे युवा वहां अच्छा कर सकते हैं तो अपने देश व समाज के लिए भी बहुत कुछ कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत की ओर एक नई उम्मीद के साथ देख रहा है और इसके सामर्थ्य पर विश्वास कर रहा है। कोरोनाकाल में भारतीय वैज्ञानिकों ने जहां स्वदेशी वैक्सीन तैयार की और इसे विश्व के 157 देशों को उपलब्ध करवाया गया, वहीं भारतीय युवाओं ने भी 'आपदा में अवसर' और 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र को आत्मसात करते हुए हजारों स्टार्टअप खड़े कर दिए। इनमें 100 से अधिक स्टार्टअप ने तो यूनीकार्न का दर्जा भी हासिल कर लिया है। युवाओं में नशे की समस्या पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में इस समस्या के उन्मूलन के लिए बहुत ही कड़े कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें लिप्त लोग चाहे कितने भी रसूखदार क्यों न हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि एनआईटी हमीरपुर में ढांचागत विकास के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं। इसे देश-विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करना संस्थान प्रबंधन के साथ-साथ प्रत्येक शिक्षक और विद्यार्थी की भी जिम्मेदारी है।

हमास के हमले को आतंकी हमला कहकर फंस गए शशि थरुर, मस्लिम संस्था ने दिखाया बाहर का रास्ता

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरुर ने एक मुस्लिम संस्था से बैठे बिठाए पंगा ले लिया। थरुर का दोष सिर्फ इतना था कि उन्होंने सात अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले को आतंकी हमला कह दिया था। इस पर थरुर को न केवल आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा, बल्कि केरल में मुस्लिम संस्था ने फिलिस्तीन एकजुटता कार्यक्रम से उन्हे बाहर का रास्ता दिखा दिया है।केरल में मुस्लिम जमातों के लिए काम करने वाले संगठन महल एम्पावरमेंट मिशन (एमईएम) ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर को 30 अक्टूबर को यहां होने वाले अपने फिलिस्तीन एकजुटता कार्यक्रम से हटाने का फैसला किया है।

दरअसल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के प्रमुख घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा आयोजित फलस्तीन एकजुटता रैली में कांग्रेस कार्यकारी समिति के सदस्य शशि थरूर के भाषण को लेकर विवाद पैदा हो गया है।नगर निगम के 100 वार्डों से जमात के एमईएम ने एक दिन पहले इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग द्वारा आयोजित फिलिस्तीन एकजुटता रैली में थरूर के हालिया बयान से उपजे विवाद के बाद यह फैसला लिया। थरूर ने 7 अक्टूबर की रैली में इजरायल पर सात अक्टूबर को हुए हमले को आतंकवादी कृत्य बताया था। एमईएम अध्यक्ष शाहजहां श्रीकार्यम ने पीटीआई को बताया, हमने थरूर को सूचित कर दिया है कि हमने उन्हें कार्यक्रम से हटाने का फैसला किया है। सोशल मीडिया पर तीखे हमले का सामना कर रहे थरूर ने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि वह हमेशा फिलिस्तीन के लोगों के साथ रहे हैं और वह आईयूएमएल रैली में अपने भाषण के सिर्फ एक वाक्य के प्रचार-प्रसार से सहमत नहीं हैं।

केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के प्रमुख सहयोगी आईयूएमएल ने गाजा में महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की कथित हत्याओं की निंदा करते हुए उत्तरी कोझिकोड में एक विशाल रैली का आयोजन किया। हजारों आईयूएमएल समर्थकों ने फिलिस्तीन एकजुटता मानवाधिकार रैली में भाग लिया, जिसका उद्घाटन आईयूएमएल नेता पनाक्कड़ सैयद सादिक अली शिहाब थंगल ने किया।थरूर, यहां मुख्य अतिथि थे, ने कहा कि निर्दोष महिलाओं और बच्चों को शुरुआत में इज़रायल और बाद में गाजा में हताहत होना पड़ा। उन्होंने इस युद्ध को समाप्त करने की अनिवार्यता पर जोर दिया। थरूर ने स्पष्ट शब्दों में 7 अक्टूबर को इज़रायल में हमास द्वारा किए गए हमले की भी निंदा की और इसे आतंकवादी कृत्य बताया।

कर्नाटक सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई अपने केंद्रीय नेतृत्व की देखरेख में राज्य की सिद्धरैया सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। पार्टी के संगठन महासिच केसी वेणुगोपाल ने कर्नाटक के अपने एक विधायक के बयान की पृष्ठभूमि में यह आरोप लगाया। कर्नाटक से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा ने शुक्रवार को सनसनीखेज दावा किया था कि 2019 में कांग्रेस–जद (एस) गठबंधन सरकार के सत्ता से हटने के पीछे जो टीम थी, वह अब कांग्रेस विधायकों को 50–50 करोड़ रुपये और मंत्री पद जैसे प्रलोभन देने का काम कर रही है और चार विधायकों से पहले ही संपर्क किया जा चुका है। वेणुगोपाल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'बिना नेता या एजेंडे वाली पार्टी लोगों के जनादेश को खत्म करने की अपनी पुरानी आदत का सहारा ले रही है। दिल्ली में अपने आकाओं की देखरेख में कर्नाटक भाजपा हमारी सरकार को अस्थिर करने का एक और हास्यास्पद प्रयास कर रही है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के हमारे विधायक पूरी तरह से वफादार हैं और इस सरकार ने तत्काल अपनी 'गारंटी' लागू की है, जिनकी व्यापक रूप से प्रशंसा हो रही है। शायद उन्हें (भाजपा को) पहले एक नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष ढूंढना चाहिए ?'

पीएम के पवार पर तंज के बाद शिवसेना (यूबीटी) ने पूछा, 'मोदी ने 10 साल में क्या किया'

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार पर निशाना साधने के बहुचर्चित तंज के दो दिन बाद, महा विकास अघाड़ी की सहयोगी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) उनके बचाव में आगे आई और शनिवार को यहां जवाब दिया, 'मोदी ने 10 साल में क्या किया।'शिवसेना (यूबीटी) के प्रकाशनों 'सामना' और 'दोपहर का सामना' में पार्टी ने कहा कि कम से कम मोदी अब बिल्कुल विपरीत बात करने से पहले पवार पर अपनी पिछली टिप्पणियों की जांच कर सकते थे।

भारत-ब्रिटेन के मंत्रियों ने प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता की प्रगति की समीक्षा की

कोलकाता (एजेंसी)। नई दिल्ली, 28 अक्टूबर (वेब वार्ता)। भारत और ब्रिटेन ने प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर जारी वार्ता की प्रगति की शनिवार को समीक्षा की। दोनों देशों के बीच प्रस्तावित एफटीए पर वार्ता अंतिम चरण में पहुंच गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश ने ओसाका में एफटीए पर जारी वार्ता की प्रगति की समीक्षा की। दोनों मंत्री जी-7 के व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए जापान के ओसाका में मौजूद हैं। गोयल ने सोशल नेटवर्किंग मंच 'एक्स' पर कहा, 'ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बेडनॉश के साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर चल रही बातचीच की प्रगति को लेकर चर्चा की।' प्रस्तावित एफटीए के लिए वार्ता को जल्द पूरा करने के लिए उत्पादों के मूल स्थान और सेवा क्षेत्र के नियमों जैसे मुद्दों पर मतभेद दूर करने के लिए दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत चल रही है। भारत और ब्रिटेन ने व्यापार समझौते के लिए जनवरी, 2022 में बातचीत शुरू की थी। इस वार्ता को पिछले साल दिवाली (24 अक्टूबर, 2022) तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ब्रिटेन में राजनीतिक घटनाक्रम बदलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया था।प्रस्तावित समझौते में 26 अध्याय हैं, जिनमें सामान, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) शामिल हैं।

पराली जलाने के मामले में भाजपा-आप आमने-सामने, हरियाणा ने जारी की नासा की तस्वीरें, पंजाब के खोखले दावों की खुली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेतों में लगी आग और दिल्ली प्रदूषण को लेकर मचे बवाल के बीच, हरियाणा ने दिल्ली सरकार के दावों को खारिज करने के लिए 'सबूत' पेश किया है। हरियाणा सरकार ने नासा की सैटेलाइट तस्वीरें साझा कीं, जिसमें आम आदमी पार्टी शासित पंजाब में बड़े पैमाने पर खेतों में लगी आग दिखाई दे रही है।

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा लगातार प्रदूषण की समस्या को लेकर विवाद में उलझे हुए हैं। हरियाणा का दावा है कि तस्वीरें, कथित तौर पर नासा से, हरियाणा की तुलना में पंजाब में पराली जलाने की अधिक घटनाओं को दर्शाती हैं। हरियाणा सरकार ने शुक्रवार को सैटेलाइट तस्वीरें जारी कीं, जिनके बारे में उनका दावा है कि 25 और 26 अक्टूबर को पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं हरियाणा की तुलना में दोगुनी से भी ज्यादा हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) जवाहर यादव ने पराली जलाने के मुद्दे को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब की आलोचना की है। केजरीवाल अक्सर दिल्ली के प्रदूषण में वृद्धि के लिए हरियाणा में किसानों द्वारा पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराते रहे हैं।

यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा '25 और 26 अक्टूबर का नासा का डेटा है, जो स्पष्ट रूप से दिखाता है कि पंजाब और हरियाणा में कहाँ पराली जलाई जा रही है। हरियाणा की तुलना में पंजाब में दोगुनी से अधिक पराली जलाई गई है। हरियाणा सरकार ने इसे कम कर दिया है... नासा के डेटा पर अरविंद केजरीवाल की चुप्पी संदेह पैदा करती है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भारतीय एजेंसियां प्रदूषण पर डेटा नहीं दे रही हैं. अब उन्हें इसकी जरूरत क्यों है? पंजाब सरकार विफल हो गई है और अरविंद केजरीवाल का चेहरा जनता के सामने बेनकाब हो गया है।

दिल्ली, पंजाब और हरियाणा लगातार प्रदूषण की समस्या को लेकर विवाद में उलझे हुए हैं। हरियाणा का दावा है कि तस्वीरें, कथित तौर पर नासा से, हरियाणा की तुलना में पंजाब में पराली जलाने की अधिक घटनाओं को दर्शाती हैं।

पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आप सरकार की प्रगति पर चिंता जताते हुए कहा, 'पिछले साल पंजाब सरकार ने बायो-डीकंपोजर के लिए दिल्ली सरकार के साथ समझौता किया था। पंजाब में कितने एकड़ में बायो-डीकंपोजर का इस्तेमाल किया गया है।' अब तक और परिणाम क्या हैं?' पराली जलाने के मामले पर पंजाब के मंत्री ब्रहम शंकर शर्मा-जिम्पा ने कहा, 'हरियाणा दिल्ली के सबसे नजदीक है। पंजाब इसके बाद आता है। सबसे पहले, हरियाणा से प्रदूषण सबसे पहले दिल्ली पहुंचेगा. दूसरी बात, हमारे पास डेटा है कि पराली जलाने के मामले सामने आए हैं।' इस साल 50प्र. की गिरावट आई है। इसका मतलब है कि पंजाब सरकार ने इसे 50त्न तक नियंत्रित कर लिया है...'

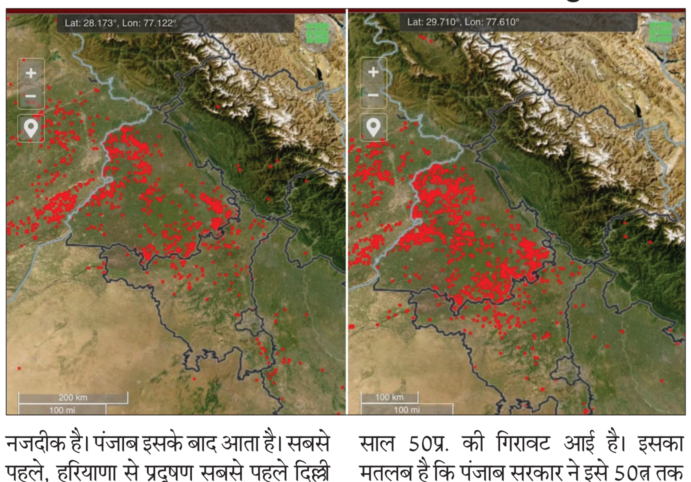

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई